

डैमोक्रेटिक पार्टी के चुनाव विशेषज्ञ अभी भी ढूँढ रहे हैं कमला हैरिस कैसे हारीं!

एक बड़ा कारण यह बताया जा रहा है, कि डैमोक्रेटिक पार्टी बड़े-बड़े मुद्दों पर ही (क्लाइमेट चेंज, हेल्थ केयर, सामाजिक न्याय) बात करती रही

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -
नई दिल्ली, 7 नवम्बर। अमेरिका के राष्ट्रपति पद का चुनाव हो चुका है, निर्णायक जनादेश के साथ चुनाव जीतकर ट्रम्प राष्ट्रपति चुन लिए गए हैं। डैमोक्रेटिक चुनाव नीतिकार हैरान और परेशान हैं क्योंकि उन्हें ऐसे व्यक्ति से मात मिली है जो नियमों को नहीं मानता और वर्ष 2020 में पद से हटने के बाद उस पर कई आरोप लगे हैं, उसके बाद भी वह बेपरवाह है।

राजनैतिक पर्यवेक्षक और विश्लेषक अब यह जानने में लगे हैं कहां गलती हुई और आखिर वोटर्स को अपने पक्ष में करने में ट्रम्प को सफलता मिली कैसे।

एक समय धारणा यह है कि डैमोक्रेटिक पार्टी वर्किंग क्लास और ग्रामीण वर्ग से जुड़े आर्थिक और सामाजिक मुद्दों से पूरी तरह बेखबर रही डैमोक्रेटिक पार्टी ने सारा फोकस प्रोग्रेसिव मसलों पर रखा जैसे जलवायु परिवर्तन, चिकित्सा सुधार और सामाजिक न्याय। ये मुद्दे वोटर्स से सीधे जुड़े हुए नहीं होते हैं जबकि वोटर्स की चिंता है रोजगार और बढ़ती महंगाई।

■ ऐसा लगा कि वोटर को रोजगार के इशू, जिनसे आम आदमी का सीधा ताल्लुक है, जैसे, रोजगार की सिक्युरिटी, बढ़ती महंगाई, के ऊपर डैमोक्रेटिक पार्टी का ज्यादा ध्यान नहीं था।

■ यह भी छवि बनी कि डैमोक्रेटिक पार्टी का नेतृत्व संपन्न व कुलीन लोगों के हाथ में है, जैसे मीडिया वाले, वी.वी.आई.पी., जिनसे आम आदमी जुड़ नहीं पाता है।

■ ट्रम्प के नारे, सीधे व स्पष्ट थे, जैसे "अमेरिका फर्स्ट", जबकि डैमोक्रेटिक पार्टी के नारे जटिल नीतिगत तर्क आधारित बहस पर आधारित और लम्बे होते थे।

■ इसी प्रकार ट्रम्प सीधी बात कहते थे, कि "अमेरिका में रोजगार" वापस लायेंगे, तथा टैक्स घटावेंगे। जबकि डैमोक्रेटिक पार्टी "इकोनॉमिक इक्वॉलिटी" लाने की बात करती थी, पर यह नहीं समझा पायी, सीधे साफ शब्दों में कि उनकी इकोनॉमिक नीतियां यह "इकोनॉमिक इक्वॉलिटी" कैसे लायेंगी।

■ इसी प्रकार "ट्रम्प" अपराध के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की बात करते थे (टफ ऑन क्राइम) पर डैमोक्रेटिक पार्टी क्राइम, सीमा सुरक्षा पर कन्फ्यूजन की स्थिति में थी।

एक बात यह भी कही जा रही है कि डैमोक्रेटिक पार्टी का नेतृत्व अभिजात्य वर्ग के पास है, जिसमें टेक्नॉलजी और मीडिया से जुड़े लोग हैं, जिसकी वजह से कुछ वोटर्स का इस पार्टी से अलगाव हो गया। ट्रम्प ने इस क्षेत्र में बहुत असरदार तरीके से कदम जमाए उन्होंने खुद को इस व्यवस्था के खिलाफ खड़ा बाहरी व्यक्ति बताया। इस संदेश ने उन लोगों को सीधे तौर पर प्रभावित किया जो राजनैतिक और सांस्कृतिक अभिजात्य वर्ग द्वारा उपेक्षित महसूस करते हैं।

इसके अलावा ट्रम्प का बोलने का तरीका बेहद सरल और आक्रामक है, वे वोटर्स से सीधे संवाद करते हैं। यह बात उन लोगों को काफी पसंद आयी जो राजनीति से निराश हो गए हैं। उन्होंने अपने भाषण में डैमोक्रेट्स को "एन्टी अमेरिकन" परम्परावादी साबित करने का प्रयास किया, कुछ वोटर्स इससे भी प्रभावित हुए। उनके नारे "अमेरिका फर्स्ट" का असर डैमोक्रेट्स की जटिल नीतिगत चर्चा से ज्यादा देखा गया और ज्यादा दूर तक गया।

ट्रम्प का अप्रोच मुख्यधारा के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'फडनवीस को सोच समझ कर बोलना चाहिए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 7 नवम्बर। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेन्द्र फडनवीस की खिलाफ्ट इंडा और कहा कि देवेन्द्र फडनवीस हताशा हो रहे हैं इसीलिए उन्होंने राहुल गांधी पर आरोप लगाया है वे शहरी नक्सलियों का समर्थन पाने के लिए लाल किताब दिखा

■ जयराम रमेश ने, देवेन्द्र फडनवीस द्वारा राहुल के हाथ किताब को "अरबन नक्सल" को रिश्ताने की कोशिश बताने पर टिप्पणी करते हुए कहा कि लाल किताब देश का संविधान है।

जयराम रमेश ने कहा कि फडनवीस जिस किताब पर आपत्ति जता रहे हैं वह भारत का संविधान है जिसके मुख्य शिल्पकार डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर थे। यह भारत का वहीं संविधान है जिसका 1949 में संघ ने यह कह कर विरोध किया था कि यह मनुस्मृति पर आधारित नहीं है। यह वहीं संविधान है जिसे नॉन बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री बदलने चाहते हैं। रमेश ने कहा जहाँ तक लाल किताब का सवाल है तो फडनवीस को पता होना (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गाँधी के समारोह में खाली पन्नों वाली संविधान की प्रतियां बांटी गईं?

भाजपा ने आरोप लगाया कि ब्लैक पेजों वाला संविधान इस बात का सबूत है, कि कांग्रेस संविधान में विश्वास नहीं रखती

-श्री नन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 7 नवम्बर। नागपुर में राहुल गांधी के कार्यक्रम में संविधान की प्रतियां बांटी गईं, क्या उनमें कुछ पन्ने खाली थे? यह प्रश्न महाराष्ट्र में भारी वाद-विवाद का विषय बन गया है, जहाँ कुछ ही समय बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

महाराष्ट्र भाजपा ने एक्स प्लैफार्म पर एक वीडियो अपलोड किया है, जिसमें कुछ किताबें दिखाई दे रही हैं और जिनके मुखपृष्ठ पर "कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ इंडिया" लिखा हुआ है और किताब के अंदर संविधान की प्रस्तावना के अलावा सभी पन्ने खाली हैं। महाराष्ट्र भाजपा ने कहा, "कांग्रेस संविधान को मिटा देना चाहती है। वो डा. बी.आर. अम्बेडकर द्वारा तैयार किए गए सभी कानून और धाराएं हटा देना चाहते हैं। इसीलिए राहुल गांधी ने हाल ही में आरक्षण समाप्त करने की बात कही थी।" भाजपा ने आगे कहा, "याद रखिये, संविधान और आदर्शों वाला साहेब

■ कांग्रेस ने जवाब में कहा, समारोह में पत्रकारों व वी.वी.आई.पी. दर्शकों में राइटिंग पैड बांटे गये थे, तथा भाजपा बिना कुछ सोचे समझे, बात का बतंगड़ बना रही है, क्योंकि राहुल गांधी का नागपुर में आर.एस.एस. के गढ़ में आयोजित समारोह बहुत सफल रहा था तथा भाजपा समारोह की सफलता बर्दाश्त नहीं कर पा रही है।

अम्बेडकर केवल चुनावी मुद्दे नहीं हैं वे भारत की तथा प्रत्येक भारतीय के जीवन की नींव हैं। इसलिए जनता संविधान विरोधी कांग्रेस को सबक सिखाएगी। जवाबी हमले में कांग्रेस ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वो नागपुर में राहुल गांधी के कार्यक्रम से डर गए हैं इसलिए झूठ फैला रहे हैं। कांग्रेस नेता विजय वादेतिस्कर ने कहा, जो लोग "संविधान सम्मान सम्मेलन" में शामिल हुए उन्हें एक नोट पैड दिया गया था और ओछे आरोप लगाया, भाजपा में बुद्धिमत्ता की कमी को दर्शाता है। भाजपा पर पलटवार करते हुए, कांग्रेस ने आगे कहा, "याद रखिये, संविधान और आदर्शों वाला साहेब

सुप्रीम कोर्ट ने जेट एयरवेज़ को बेचने की अनुमति दी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सन 2019 से बंद पड़ी इस एयरलाइन्स को बेच देने में सभी का हित है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 7 नवम्बर। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने जेट एयरवेज़ का स्वामित्व यू.के. स्थित जालान कलरॉक कर्मोशियम को स्थानान्तरित करने के, नेशनल कम्पनी लॉ एपिलेट ट्रिब्यूनल (एन.सी.एल.ए.टी.) आदेश को रद्द करते हुए, मृतप्राय एयरलाइन, जेट एयरवेज़ को बेचने के आदेश किए। अदालत ने कहा कि ऐसा करना ऋणदाताओं और एयरलाइन कर्मियों के हित में है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, एन.सी.एल.ए.टी. का आदेश, उच्चतम न्यायालय के जनवरी 2023 के आदेश का स्पष्ट अनादर है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि एन.सी.एल.ए.टी. ने जेट एयरवेज़ की रेजॉल्यूशन आवेदक जालान कलरॉक कर्मोशियम से 350 करोड़ रुपए की इन्फ्यूजन रिक्वायरमेंट

■ सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल कम्पनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें एयरलाइन को ब्रिटेन के जालान कलरॉक कर्मोशियम को दिए जाने का निर्देश दिया गया था।

■ ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ, जेट एयरवेज़ को ऋण देने वालों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। ऋण दाताओं में सबसे प्रमुख है स्टेट बैंक ऑफ इंडिया।

■ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एयरलाइन्स के मुकदमे से भारत के इन्सॉल्वेंसी और बैंक्रप्सी कोड के सम्बंध में कई सबक निहित हैं तथा यह मुकदमा इसके लिए "आई ओपनर" की तरह है।

में 150 करोड़ रुपए की परफॉर्मेंस बैंक गारंटी (पी.बी.जी.) को एडजस्ट करने की अनुमति देकर, उच्चतम न्यायालय के जनवरी 2023 के आदेश की अवहेलना की है।

नरेश गोयल की अध्यक्षता वाली

एयरलाइन, जो किसी समय भारत की प्रमुख एयरलाइन थी, सन् 2019 से बंद पड़ी है। बाद में एन.सी.एल.ए.टी. ने जेट एयरवेज़ के मालिकाना अधिकार यू.के. के कलरॉक कैपिटल तथा संयुक्त (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहली अमृत भारत ट्रेन राजस्थान से

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -
नई दिल्ली, 7 नवम्बर। "वन्दे भारत" रेलगाड़ियों के बाद, रेलवे इस वर्ष के अंत तक "अमृत भारत ट्रेन" शुरू करने का रहा है। इनकी शुरुआत राजस्थान से होगी। ये ट्रेन पहले चरण में 26 रूटों पर चलेंगी।

■ रेलवे ने बताया कि अमृत भारत ट्रेन इस वर्ष के अंत तक शुरू हो जाएगी। पहली ट्रेन अजमेर से वाया जयपुर रांची जाएगी।

यह ट्रेन पूरी तरह से नॉन-एयरकन्डीशन्ड होगी। इसमें स्लीपर तथा सेकंड क्लास में बैठने की व्यवस्था होगी। इन रेलगाड़ियों का पहला सैट अजमेर से रांची, वाया जयपुर तथा जोधपुर से गोरखपुर के लिए शुरू होगा। आशा की जा रही है कि पहली अमृत भारत ट्रेन को प्रधानमंत्री मोदी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सलमान रश्दी की किताब "सटैनिक् वर्सेज" के आयात पर लगा 36 साल पुराना प्रतिबंध हटा

दिल्ली हाईकोर्ट ने यह आदेश दिया, क्योंकि किताब को बैन करने वाली अधिसूचना गुम हो गई है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -
नई दिल्ली, 7 नवम्बर। दिल्ली हाई कोर्ट ने सलमान रश्दी की किताब सैटनिक वर्सेज के आयात पर लगा प्रतिबंध हटा दिया है क्योंकि प्रतिबंध की अधिसूचना खो गई है। सन् 1988 में राजीव गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने मुस्लिम समुदाय के लोगों की शिकायत पर किताब के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था। मुस्लिम समुदाय को शिकायत थी कि पुस्तक में ईश विंदा की गई है। हाई कोर्ट ने प्रतिबंध तब हटाया जब सेंट्रल बोर्ड ऑफ इन्डियन प्रैक्टिस टैक्सिज ने कोर्ट से कहा किताब के आयात पर प्रतिबंध लगाने वाली 1988 की अधिसूचना नहीं मिल रही है।

चूंकि अधिकारी अधिसूचना पेश नहीं कर सके इसलिए जस्टिस रेखा पल्ली, और जस्टिस सौरभ बनर्जी की बेंच ने 5 नवम्बर को प्रतिबंध की वैधता

■ कोर्ट ने यह आदेश संदीपन खान द्वारा 2019 में दायर याचिका पर दिया है। खान ने कोर्ट में कहा कि किताब पर बैन है इसलिए वो इसे मंगा नहीं सकता, पर बैन की अधिसूचना न तो अधिकारियों के पास है न ही सरकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

■ बताया जाता है कि जिस अधिकारी ने अधिसूचना बनाई थी उसने भी इसकी प्रति उपलब्ध कराने में असमर्थता व्यक्त की।

■ ज्ञातव्य है कि, 1988 में राजीव गाँधी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने मुस्लिम समुदाय के लोगों की शिकायत पर इस किताब के आयात पर रोक लगा दी थी।

की तह में जाने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने कहा, इन हालात को देखते हुए हमारे पास यह मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं है कि ऐसी कोई अधिसूचना है ही नहीं। इसलिए हम बैन की वैधता का परीक्षण नहीं कर सकते हैं इसलिए वैधता को चुनौती देने वाली

याचिका रद्द की जाती है। इस अधिसूचना को 2019 में संदीपन खान ने चुनौती दी थी। उन्होंने कोर्ट से कहा था कि वे प्रतिबंध के कारण किताब नहीं मंगा पा रहे हैं, लेकिन प्रतिबंध की अधिसूचना न तो अधिकारियों के पास है और न

ही विभाग की वेबसाइट पर है। सूचना के अधिकार के अधिनियम के तहत खान को भेजे गए जवाब में गृह मंत्रालय ने कहा था कि किताब पर प्रतिबंध है। कोर्ट द्वारा नोटिफिकेशन को "अस्तित्व विहीन" करार देने पर खान को पुस्तक मंगाने की अनुमति दे दी गई है।

बेंच ने कहा, याचिकाकर्ता अब किताब मंगा सकता है। क्योंकि अब कानून के तहत पुस्तक उपलब्ध है। हाई कोर्ट के निर्णय ने किताब के आयात पर लगा 36 साल पुराना प्रतिबंध खत्म कर दिया है। रोचक बात यह है कि जिस अधिकारी ने अधिसूचना तैयार की थी उसने भी इसकी प्रति प्रस्तुत करने में बेबसी जाहिर की। केन्द्र सरकार ने भी इस केस से कदम पीछे हटा लिया। गृह मंत्रालय ने अपनी जगह कस्टम विभाग को उतार (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सी.एम. का स्थाई हाजिरी माफी का प्रार्थना पत्र खारिज

जयपुर, 7 नवंबर। जिले के अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 ने गोपालगढ़ हिंसा प्रकरण की चाल रही दायल में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को स्थाई रूप से हाजिरी माफी देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही,

■ गोपालगढ़ हिंसा प्रकरण में न्यायालय ने कहा कि अनुपस्थिति की परिस्थिति में हाजिरी माफी पेश की जा सकती है।

अदालत ने इस संबंध में मुख्यमंत्री शर्मा की ओर से दायर प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है।

पीठासीन अधिकारी अनामिका सारण ने अपने आदेश में कहा कि अदालत ने भजनलाल शर्मा को अग्रिम जमानत देते समय यह शर्त लगाई थी कि (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैं बिजनैस के नहीं बिजनैस पर मोनांपली के खिलाफ हूँ'

राहुल गाँधी खुद पर लगा "एन्टी बिजनैस" तमगा हटाने के लिए सक्रिय हुए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 7 नवम्बर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष, राहुल गांधी ने पार्टी के अन्दर तथा बाहर उन पर बिजनैस विरोधी होने का लेबल लगाने वाले उनके आलोचकों के बारे में वस्तुस्थिति को स्पष्ट करने के विशिष्ट प्रयास के अन्तर्गत आज कहा कि वे बिजनैस विरोधी नहीं, बल्कि एकाधिकार-विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि वे व्यवसाय के कुछ ही हाथों में केन्द्रित होने के खिलाफ हैं।

राहुल गांधी ने स्वयं की सोच एवं स्थिति को स्पष्ट करते हुये, स्वयं को "रोजगार-समर्थक, व्यवसाय-समर्थक, नवाचार-समर्थक (प्रो-इन्वेंशन) तथा प्रतिस्पर्धा-समर्थक" बताया।

"एक्स" पर डाले गये एक वीडियो में, राहुल गांधी ने जोर देते हुये

कहा कि भाजपा उन्हें एक बिजनैस-विरोधी नेता के रूप में प्रोजेक्ट करना चाहती है। उन्होंने कहा कि वे "बिजनैस पर दो या पाँच लोगों के आधिपत्य के विरोधी" हैं। राहुल गांधी ने कहा, "मैं एक चीज बिलकुल साफ कर देना चाहता हूँ, मुझे भाजपा के मेरे विरोधियों द्वारा प्रोजेक्ट किया गया है। मैं बिजनैस-विरोधी बिल्कुल भी नहीं हूँ, मैं एकाधिकार-विरोधी हूँ, मैं बिजनैस-विरोधी हूँ, मैं केन्द्रित रहने की स्थिति पैदा किये जाने का विरोधी हूँ, मैं बिजनैस पर एक, दो या पाँच लोगों के दबदबे का विरोधी हूँ।"

राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने अपना प्रोफेशनल कैरियर एक मैनेजमेंट कन्सल्टेंट के रूप में शुरू किया था तथा वे सफल व्यवसाय की जरूरतों को समझते हैं।

■ राहुल गाँधी द्वारा बार-बार अडानी व अन्य बड़े औद्योगिक घरानों का विरोध करने से उनकी छवि बिजनैस विरोधी की बन गई है जिससे कांग्रेस को नुकसान हो रहा है।

■ राहुल गाँधी ने कहा, बिजनैस पर दो-पांच लोगों का कब्जा नहीं होना चाहिए।

■ राहुल ने कहा, मैंने अपना करियर मैनेजमेंट कंसल्टेंट के रूप में शुरू किया और मैं बिजनैस की आवश्यकता समझता हूँ।

■ राहुल ने कहा जब सभी को बिजनैस में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा तब ही अर्थव्यवस्था फलेगी-फूलेगी।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "हमारी अर्थव्यवस्था तभी फलेगी-फूलेगी, जब सभी व्यवसायों के लिये स्वतंत्र तथा निष्पक्ष गुंजाइश हो।" राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

तथा उनकी सरकार पर आरोप लगाते हुये कहते हैं कि वे किसानों के हितों पर कुछ उद्योगपतियों के एक चरचित गुपु को वरीयता देते हैं, उनका पक्ष लेते हैं। वे प्रायः केन्द्र सरकार को बिजनैस

टाइकून गौतम अडानी से जोड़ते हैं। राहुल गांधी की यह टिप्पणी उनके उस लेख के एक दिन बाद आई है, जो उन्होंने "द इंडियन एक्सप्रेस" में लिखा था। इस लेख में उन्होंने लिखा था कि मूल ईस्ट इंडिया कम्पनी तो लगभग 150 साल पहले चली गई, लेकिन जो अनुचित एवं अन्यायपूर्ण डर उसने पैदा किया था, वह एकाधिकारवादियों की नई नस्ल के रूप में वापस आ गया है। उन्होंने कहा, "उसने हमारी बैंकिंग, आसफराही तथा सूचना-नैटवर्क पर नियंत्रण कर लिया था। हमारी स्वतंत्रता किसी अन्य राष्ट्र ने नहीं छीनी थी, हमारी स्वतंत्रता एक एकाधिकारवादी कॉर्पोरेशन ने छीनी थी, जो बलप्रयोग एवं जोर-जबरदस्ती के तंत्र का संचालन करता था।" राहुल गांधी ने लिखा कि उसका (ईस्ट इंडिया कम्पनी) स्थान

एकाधिकारवादियों की एक नई नस्ल ने ले लिया है तथा इसने अपार धन इकट्ठा कर लिया है तथा भारत, इनके अलावा शेष सभी व्यक्तियों के लिये और ज्यादा गैरबराबरी वाला तथा पक्षपातपूर्ण देश बन गया है। राहुल गांधी की यह प्रतिक्रिया उनके खिलाफ लगाये गये इन आरोपों और उन पर किये गये व्यंग्यों के बाद आई है कि राहुल व्यवसाय विरोधी हैं। राहुल के विरुद्ध ये आरोप और कटाक्ष, सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं तथा जन-मानस तथा धारणा को प्रभावित करने वाली हस्तियों, मीडियाकर्मियों, भाजपा नेताओं के एक वर्ग के साथ ही, उनकी अपनी पार्टी के कुछ नेताओं के बीच अनौपचारिक बातचीत का विषय बन रहे हैं। ऐसा कि काफी पहले, तब होता था, जब उन्हें "पप्पू" के रूप में प्रोजेक्ट किया गया था।

राजस्थान की 23 हजार खानों पर सुनवाई आज

जयपुर, 7 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश के 23 हजार खान लाइसेंसों के नियमित संचालन व इनमें काम करने वाले 15 लाख लोगों की नौकरियां बचाने वाली राज्य सरकार की सिविल अपील पर सुनवाई शुक्रवार को तय कर

■ सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार के तत्कालिक सुनवाई के आग्रह को मान शुक्रवार 8 नवम्बर की तिथि तय की।

की है। मामले को तत्कालिक सुनवाई के लिए गुरुवार को ए.एस.जी. ऐश्वर्या भाटी व ए.ए.जी. शिवमंगल शर्मा ने सी.जे.आई. के समक्ष आग्रह किया था। जिस पर उन्होंने मामले की सुनवाई शुक्रवार को तय की। दरअसल, अपील में एन.जी.टी. के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

असत्य फूस के ढेर की तरह है। सत्य की एक चिनगारी भी उसे भस्म कर देती है।

—हरिभाऊ उपाध्याय

संविधान की उद्देशिका में जोड़े गये दो शब्द "समाजवादी" व "धर्मनिरपेक्ष" को हटाना आवश्यक नहीं है, उनके अर्थ को स्पष्ट करना पर्याप्त है

संविधान सभा का विधिवत कार्य दिनांक 9 दिसम्बर, 1946 से प्रारम्भ हुआ। कुछ दिन सत्र चलने के बाद नेहरूजी ने 13 दिसम्बर 1946 को ऐतिहासिक उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव के प्रारूप में भारत के भावी प्रभुता सम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य की रूपरेखा दी गई थी। इसमें एक संघीय राज्य व्यवस्था की परिकल्पना की गई थी। इसके अनुसार प्रभुता जनता के हाथों में दी थी। इस प्रस्ताव को दिनांक 22 जनवरी, 1947 को संविधान सभा ने स्वीकार किया। इस प्रकार भारत की जनता ने भारत के प्रभुत्व सम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य का संविधान स्वीकार किया और अपने आपको अर्पित किया। दिनांक 26 जनवरी, 1950 से संविधान लागू हुआ। चूंकि हमारा संविधान एक लिखित दस्तावेज है तथा इसमें प्रत्येक अंग की शक्तियाँ तथा उसके कार्यों की परिभाषा है तथा सीमा निर्धारित है इसलिये संसद तथा उच्चतम न्यायालय दोनों अपने अपने कार्य क्षेत्रों में सर्वोच्च हैं। उच्चतम न्यायालय संसद द्वारा पारित किसी कानून को संविधान का उल्लंघन करने वाला करार देकर अवैध व अमान्य घोषित कर सकता है और संसद भी कतिपय प्रतिबंधों के साथ संविधान में संशोधन कर सकती है।

संविधान की उद्देशिका में समाविष्ट विभिन्न संकल्पनाओं तथा शब्दों से यह कहा जा सकता है कि संविधान की उद्देशिका में प्रयुक्त गरिमामय शब्द भारत के संविधान के सारांश, दर्शन, आदर्शों और उसकी आत्मा का निरूपण करते हैं। इसमें वर्णित कुछ ऐसे बुनियादी विशेषताएँ हैं, उनके बावत सुप्रीम कोर्ट ने यह पाया है कि जिन्हें अनुच्छेद 368 के अधीन संविधान के किसी संशोधन द्वारा भी बदला नहीं जा सकता। संवैधानिक संशोधन से उद्देशिका में कुछ शब्द, जैसे 'समाजवादी' व 'धर्मनिरपेक्ष' जोड़े गये हैं। इनके बाद विवाद सुप्रीम कोर्ट में जेकरा है कि क्या ऐसा संशोधन वैध है? संवैधानिक कानून के विद्वान सुभाष कश्यप का मानना है कि ये शब्द बहुत ही अस्पष्ट हैं और संविधान में इनकी सही सही परिभाषा न होने से हमारी राज्य व्यवस्था को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा है। इसलिये उचित यही है कि एक संविधान संशोधन के द्वारा इनकी परिभाषा कर दी जावे। (इसके विश्लेषण विवेचन के लिये देखिये कश्यपजी की पुस्तक 'दि प्रेमिंग ऑफ इण्डियाज कान्स्टीट्यूशन'।)

माननीय सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ जिसके न्यायाधीश संजिव खन्ना व न्यायाधीश संजय कुमार हैं, के समक्ष तीन याचिकाएँ पेश हैं, जिन्हें पिटीशनर बलराम सिंह, डाक्टर सुब्रामण्यम स्वामी व अश्वनी कुमार एडवोकेट द्वारा दायर किया गया। इनके द्वारा पिटीशनर्स ने प्रियम्बल में किये गये संशोधन को चुनौती दी है। संशोधन द्वारा प्रियम्बल (उद्देशिका) में दो नये शब्द Socialist व Secular को जोड़ा गया था। तीनों पिटीशनर्स के विवरण निम्न प्रकार हैं:—

- 1) बलराम सिंह बनाम यूनिन ऑफ इण्डिया WP(C) NO. 643 OF 2020
- 2) डा. सुब्रामण्यम स्वामी बनाम यूनिन ऑफ इण्डिया WP(C) NO. 1467 OF 2020
- 3) अश्वनी उपाध्याय बनाम यूनिन ऑफ इण्डिया MA 835 OF 2024A

माननीय खण्डपीठ के समक्ष बलराम सिंह पिटीशनर के एडवोकेट विष्णुशंकर जैन की बहस थी कि डाक्टर एम्बेडकर का मत था कि शब्द Socialistic के जोड़े जाने से व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर विपरीत असर पड़ेगा। एडवोकेट अश्वनी उपाध्याय ने बहस में कहा कि भारत तो सदा से ही Secular रहा है। डाक्टर स्वामी ने अपनी बहस में कहा कि जो शब्द जोड़े गये हैं Jes Arbitrary (विवेक शून्य) हैं। प्रियम्बल से यही निष्कर्ष निकलता है कि 26.11.1949 को ही भारत Socialist Secular था।

विष्णुशंकर जैन एडवोकेट, अश्वनी उपाध्याय एडवोकेट और सुब्रामण्यम स्वामी की प्रारम्भिक बहस के समय जस्टिस खन्ना का Response (प्रतिक्रिया) थी कि उक्त संशोधन 1976 का है और जो शब्द जोड़े गये हैं उन्हें Brackets के भेरे में दर्शाया है। जस्टिस खन्ना ने यह भी स्पष्ट किया कि "Unity" व "Integrity" शब्दों को भी बाद में संशोधन से जोड़ा गया था इस पर एडवोकेट ने अश्वनी कुमार से अपनी प्रतिक्रिया देते हुये कहा कि इससे यह निष्कर्ष निकला जा सकता है कि Democratic शब्द जो प्रियम्बल में है उसे कभी भी हटाया जा सकता है इसका विपरीत असर होगा।

संविधान निर्माता नहीं चाहते थे कि संविधान किसी विचार धारा या वाद विशेष से जुड़ा हो।

इसलिये वे अन्य बातों के साथ साथ समाजवाद के किसी उल्लेख को सम्मिलित करने के लिये सहमत नहीं हुये। उन्होंने 'समाजवाद' शब्द की परिभाषा भी संविधान में नहीं की। संविधान विशेषज्ञ सुभाष कश्यप ने सही कहा है कि 'संविधान (45वें संशोधन) विधेयक में 'समाजवादी' की परिभाषा देने का प्रयास किया था, किन्तु ऐसा नहीं हुआ।

- 4) क्या Secularism संविधान के बुनियादी विशेषता (Basic Structure) का भाग है?
- 5) क्या उद्देशिका में प्रयोग में लाये गये 'समाजवादी' व 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द स्वयं में अस्पष्ट हैं अतः संविधान संशोधन के द्वारा उनकी परिभाषा करने से सम्मत्या का निदान हो सकता है?

प्रश्न बहुत ही उलझे हुये भी हैं और संविधान के Interpretation से संबंध रखते हैं। भारत का संविधान अनेक दृष्टियों से अतुल्य है। यह अन्त्य तथा नन्त्य परिसंघीय तथा एकात्मक और अध्येक्षीय तथा संसदीय रूपों का समिश्रण है। बेरूबावादी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह माना है कि उद्देशिका संविधान निर्माताओं के मन की कुंजी है। उद्देशिका संविधान की विशेषताओं का निचोड़ है। परन्तु न्यायमूर्ति गजेन्द्र गडकर ने कहा कि उद्देशिका संविधान का अर्थ नहीं है। गोलकनाथ के केस में जस्टिस हिदायतुल्लाह ने विचार व्यक्त किया कि वह संविधान की मूल आत्मा है, शाश्वत है, अपरिवर्तनीय है।

केशवानंद भारतीय के केस में बहुमत के न्यायाधीशों का मानना था कि उद्देशिका संविधान का अंग है। जस्टिस सीकरि ने माना कि उद्देशिका एक अंग ही नहीं है वह अत्यधिक महत्वपूर्ण भी है। उनका अभिमत था कि उद्देशिका में ऐसा संशोधन नहीं किया जा सकता जिससे उसके बुनियादी स्वरूप में परिवर्तन हो।

यह भी एक महत्वपूर्ण घटना ही है कि 42वें संविधान संशोधन अधिनियम से आपात स्थिति के समय 'समाजवाद' व 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द जोड़े गये थे। साथ ही राष्ट्र की एकता शब्दों के स्थान पर राष्ट्र की एकता तथा अखण्डता कर दिये गये। इसका कारण यह था कि कानून निर्माताओं के अनुसार समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता (पंथ निरपेक्षता) और राष्ट्रीय एकता उद्देशिका में तथा मूल स्वरूप में निर्मित संविधान के शेष भागों में पहले ही से अन्तर्निहित थे। बोम्बई के केस में जस्टिस रामास्वामी ने कहा, उद्देशिका संविधान का अंग है। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, संचालक ढांचा, राष्ट्र की एकता और अखण्डता, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, सामाजिक न्याय तथा न्यायिक पुरस्कर्तिलोकन संविधान के बुनियादी तत्वों में हैं।

उपरोक्त तीनों केसों की अपूर्ण बहस सुनने के समय माननीय खण्डपीठ सुप्रीम कोर्ट का मत (View) सम्भवतः उपरोक्त कथन के आधार पर राह होगा। उनके विचारों में प्रतिबद्धता निम्नलिखित उद्घात मूल्यों के हेतु है, जिन्हें उद्देशिका में पढ़ा जा सकता है, समझाया जा सकता है:—

सम्प्रभुता, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, गणराज्यीय स्वरूप, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता तथा अखण्डता।

यहाँ विवाद दो शब्दों के उद्देशिका में जोड़े जाने का है, वे हैं 'समाजवाद' व 'धर्मनिरपेक्षता'।

समाजवाद:— संविधान के निर्माताओं में कुछ जाने माने विलक्षण बुद्धि वाले व्यक्ति महान न्यायविद, देशभक्त और स्वतंत्रता सेनानी थे। उद्देशिका में कहा गया है 'हम भारत के लोग भारत को एक प्रभुत्व सम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य बनाने के लिये तथा उसके समस्त नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता और समानता दिलाने और उन सब में बंधुता बढ़ाने के लिये दृढ़ संकल्प करते हैं। न्याय की परिभाषा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के रूप में की गई है। स्वतंत्रता में विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता सम्मिलित है, और समानता का अर्थ है प्रतिष्ठा तथा अवसर की समानता'।

संविधान निर्माता नहीं चाहते थे कि संविधान किसी विचार धारा या वाद विशेष से जुड़ा हो। इसलिये वे अन्य बातों के साथ साथ समाजवाद के किसी उल्लेख को सम्मिलित करने के लिये सहमत नहीं हुये। उन्होंने 'समाजवाद' शब्द की परिभाषा भी संविधान में नहीं की। संविधान विशेषज्ञ सुभाष कश्यप ने सही कहा है कि 'संविधान (45वें संशोधन) विधेयक में 'समाजवादी' की परिभाषा देने का प्रयास किया था, किन्तु ऐसा नहीं हुआ।

धर्मनिरपेक्षता:— समाजवादी शब्द की तरह धर्मनिरपेक्षता शब्द भी उद्देशिका में नहीं था। इस शब्द को सर्व धर्म समभाव के अर्थ के रूप में समझने का प्रयास किया गया है। जस्टिस गजेन्द्र गडकर ने धर्म निरपेक्षता की परिभाषा करते हुये यह माना है कि सभी नागरिकों को नागरिक के रूप में समान अधिकार प्राप्त हों। इस मामले में उनका पंथ या मजहब पूर्णतया अप्रासंगिक है वह सभी पंथों को समान स्वतंत्रता प्रदान करता है। वस्तुतः धर्मनिरपेक्ष राज्य के अधीन सभी नागरिकों के साथ एकसा व्यवहार होना चाहिये अर्थात् उक्त धर्म के कारण उनके साथ भेदभाव न हो। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने कई केसेस में यह माना है कि सेक्लर शब्द बुनियादी विशेषता के रूप में पहले ही से विद्यमान है। अधिकांश न्यायाधीशों का मत है कि धर्मनिरपेक्ष शब्द को हटाने के स्थान पर, इस शब्द की परिभाषा संविधान संशोधन द्वारा कर दी जावे और व्यवस्था कि कोई भी दल राजनीतिक प्रयोजन हेतु धर्म का दुरुपयोग न कर पाये।

माननीय खण्डपीठ ने न्यायाधीशों ने केस की सुनवाई के समय जो Observation (प्रतिक्रिया) दी थी, जिसका उल्लेख ऊपर किया है उसी को अपने निर्णय का आधार माने, माननीय खण्डपीठ स्वयं ही दोनों शब्दों की परिभाषा कर दे अथवा यूनिन ऑफ इण्डिया को निर्देशन दिया जावे कि उचित संविधान संशोधन के द्वारा उनकी परिभाषा की जाने की प्रक्रिया अपनाई जावे। इस प्रकार न तो उपरोक्त प्रश्नों के निर्णय की और न पांच जजों की संविधान पीठ के गठन की आवश्यकता ही होगी।

भारत के लोगों की जय हो!

—अतिथि संपादक,

पानाचन्द जैन

पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

पुराने जमाने के जोकर, विलन बनाम आज के जनप्रतिनिधि



महावीर सिंह

छोटे कस्बे का एक आदमी बड़े शहर के एक व्यस्त चौक पर, पॉपुलर चाय की दुकान पर पहुंच गया। वहां 8,10 लोग, चाय की चुस्कीयों के साथ, नए-पुराने हास्य अभिनेताओं के डायलॉग बोल कर ठहाके लगा रहे थे। जानी वाकर, महमूद, परेश रावेल, असरानी, जसपाल भट्टी को खूब याद किया जा रहा था—'सुन बच्चे सुन, इस चम्मच में बड़े-बड़े गान से लेकर असरानी के' आधे इधर, आधे उधर, बाकी बचे वो मेरे पीछे—'पर लोग हंस-हंस कर लोटपोट हुए जा रहे थे। जसपाल भट्टी की जनप्रतिनिधि/एमएलए खरीदने-बेचने की दुकान की भी खूब चर्चा हुई। तभी एक बीच में बोल पड़ा, यह भी कोई हास्य कलाकार थे—यह सब तो हमारे आज के छोटे, बड़े से बड़े नेताओं के पास में भी नहीं आते।

अब देखो एक शहर की सरकार में विपक्ष में पक्ष को चित कर दिया। जो पक्ष में थे उनको विपक्ष में लिया सो लिया पर गंगाजल से उन पर छिड़काव कर, उनका 100 प्रतिशत शुद्धिकरण करने के बाद ही लिया। यों ले लेते तो उनके सम्पर्क में आकर उनके वाले गंगाजल जैसे पवित्र प्रतिनिधि भी

महाविपक्ष जैसे दृष्ट-पापी -कल्पित नहीं हो जाते। अब आगे आप किसी भी अपवित्र वस्तु, आदमी को गंगाजल की चार बूंदों से पवित्र कर सकते हो। एक मसखरा बीच में बोल पड़ा— देखो, गंगाजल तो हरिद्वार, गढ़गणेश या दूसरे धर्मस्थलों से लोग लाते हैं। हर जगह, हर समय प्रचुर मात्रा में नहीं मिलता। इसका विकल्प है गौमूत्र। लोकल लेवल पर ही खूब मिल जाएगा और दो बूंद छिड़कने के बजाय ऐसे अपवित्र-भ्रष्ट जनप्रतिनिधियों को पूरा स्नान ही कराओ।

कुछ हंस लिए, 2,5 की भौंवे भी तनी किन्तु तनातनी नहीं हुई। उनमें से एक कि व्यथा थी कि गौमूत्र से शुद्धिकरण पर कुछ नासमझ, अधमी, गैरसनातनी लोग बड़ी भद्दी भद्दी, नाकालिखे बदस्त टिका टिप्पणियाँ करते हैं। मेरा तो सुझाव है कि गौमूत्र की, जिस लैबोरेटरी में तिरुपति बालाजी मंदिर में अशुद्ध-अपवित्र प्रसाद की जांच रिपोर्ट बनाई, वहां से केमिकल अनलैसिस रिपोर्ट मांगवाओ और जारी करो। उन्हें बताओ उसमें कौन-कौन से अमृत जैसे रसायन हैं। यह रिपोर्ट गैर सनातनियों के मुंह पर दे मारो, रोज रोज के झगड़े-टपटे-तानाकसी सदा के लिए बंद हो। एक सज्जन बोल पड़ा कि उसने कोई 5-4 साल पहले सोशल मिडिया में पढ़ा था कि गौमूत्र में स्वर्ण भी होता है।

बात गाय पर कुछ लंबी चली तो अब तक चुप एक धीर-गम्भीर गोलमटोल तौंद वाले सज्जन बोल पड़े— गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिलवाने के लिए अहं भी कुछ आन्दोलन सान्दोलन होना ही चाहिए। कुछ प्रदेशों की अत्यंत प्रगतिशील सनातनी सरकारों ने तो ऐसा कर भी दिया और अब दूसरों को भी देर-सवेर

करना ही पड़ेगा। ओर देखो, जब ऊंट को राज्य पशु का दर्ज है तो गाय का तो उस से पहले हक बनता है ही—कहाँ ऊंट, कहाँ गाय जिस में 33 करोड़ देवी देवताओं का वास है। एक सज्जन जरा जोर लगा कर बोला—देखो क्या तुमने? दूसरा भी उतने ही जोर से बोला हॉ, कुछ दिन पहले ही एक जोतगी गाय लिए चूम रहा था, उस पर हजारों की संख्या में छपे हुए थे। बात चलते-चलते गायों की बॉर्डर पर तस्करि और कल्ल की भी चल पड़ी।

किसी में समाधान भी सुझा दिया— बॉर्डर पर सेना-पुलिस सरकार की तैनात, बंदरगाह सरकार के तो फिर सरकार चाहे तो तस्करि फटाफट रोक सकती है। और गौकस्सी रोकना तो बाँए हाथ का खेल है, सारे गौकलखाने बंद करो, तस्करों को सरसरी कौन सुनवाई की फॉर्मलटी पूरी करो और दो उम्रकैद की सजा। और ऐसे कौनसे फटाफट बनाना तो आजकल सभी सरकारों के बाँए हाथ का खेल है ही। बताओ इससे सस्ता-शीघ्र समाधान क्या होगा? एक भाई ने थोड़ा विषयांतर किया ओर कहने लगा कि अभी कुछ राज्यों में विधान सभा के लिए व यूपी आदि में कुछ सीटों के लिए उप चुनाव हो रहे हैं। जिस प्रकार के जुमले-नारे छड़े और बोले जा रहे हैं उनके आगे को पुरानी फिल्मों के, हास्य कलाकार तो छोड़ो विलन भी कुछ नहीं। जैसे—(वो (कौन?) चोट

जिहाद कर रहे हैं, तुम (कौन?) नहीं करोगे तो रोओगे। बंदोगे तो कटोगे— कौन बटेगा, कौन कटेगा, कौन कटेगा, समझदार को इशारा बहुत, इसलिए जोकर/विलन बने नेता, इसके आगे मुँह के ताला लगा लेते हैं। ओर सुनो बानगी दोनों ओर की (बंटे थे कब कटे थे बनाम बांटने वाले भी तुम, ये तबने वाले भी तुम—कब बंटे,

कब कटे?) (अब न बंटेंगे, न काटेंगे, अब बांटने वालों को पीटेंगे) (न बंटेंगे, न कटेंगे, बांटने वालों के मुँह पर ताला जड़ेंगे—कुछ ज्यादा शूरवीर टाइप थोड़ा यों कह देंगे—बांटने वालों का मुँह तोड़ेंगे)। (कोई एक थपड़ मारे—उसके सो थपड़ मारो, टोपी-पजामों से उनको पहचानो, अपनी गाय-भैसों-बहु-बेटियों, मंगल सुत्रों की उनसे रक्षा करो—ओर पता नही क्या क्या उल्लु-जुल्लु बकते हैं??) (वो देश की एकता तोड़ रहे है—वो सौविधान खत्म कर रहे है। वो सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—)

कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—)

कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—)

कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—)

कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—)

कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—)

कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—)

कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—)

कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—)

कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—) कौन किस पर सौविधान की आड़ में समाज एकता तोड़ रहे है, बांट रहे है—वो जातीय आंकड़े छुपा कर जातियों का हक मारना चाहते—)

अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले की कल से झंडारोहण के साथ शुरुआत होगी



मेले के दौरान सजे पुष्कर के बाजार।

पुष्कर, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले की कल से झंडारोहण के साथ शुरुआत होगी। अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले में प्रसिद्ध सूफी गायक कलाशा खेर, गजल सम्राट अनूप जलोटा नृत्यांगना गुलाबो सफेरा अपना जलवा बिखेरेंगी। इसके साथ ही अनिरुद्ध वर्मा का प्यूजन म्यूजिक अनवर खान का डेजर्ट सेंफनी, गौतम काले का क्लासिकल म्यूजिक, मधु भट्ट का द्रुपद गायन मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा।

12 नवंबर को अनूप जलोटा मेला मैदान में शमा बाँधेंगे तो 13 नवंबर को गुलाबो सफेरा अपनी नृत्य कला का जलवा बिखेरेंगी, वहीं 14 नवंबर सुफी गायक कलाशा खेर भजनों की सरिता बहाएंगी। इसके साथ ही रविशार को अनिरुद्ध वर्मा का प्यूजन म्यूजिक सोमवार को अनवर खान का डेजर्ट सेंफनी मंगलवार को गौतम काले का क्लासिकल भजन व बुधवार को मधु भट्ट का द्रुपद गायन लोगों को भक्ति रसपान कराएंगे। इसके अलावा शनिवार से मेला मैदान में विभिन्न प्रतियोगिताएँ व रंगारंग कार्यक्रम का शुभारंभ हो जाएगा, जिसमें देशी विदेशी सैलानियों के साथ मैच खेलकूद व अन्य प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

मेला का कार्यक्रम जारी:—9

नवंबर 9 बजे पूजा, ध्वजारोहण अजय रावत पुष्कर द्वारा, सांस्कृतिक ऊंट मार्च, नगाड़ा वादन, रेत कला प्रदर्शन, 9:30 बजे मांडणा प्रतियोगिता, नृत्य प्रस्तुति स्कूली छात्राओं द्वारा, 10 बजे चक्र दे राजस्थान फुटबाल मैच स्थानीय बनाम विदेशी, शाम 6 बजे दीपदान, रंगोली, आरती व पुष्कर अभिषेक तथा 7 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

प्यूजन म्यूजिक 10 को:— 10 नवंबर को 10 बजे लंगड़ी टांग प्रतियोगिता, सतोलिया, गिपली डंडा स्थानीय बनाम विदेशी, 11:30 ऊंट शृंगार प्रतियोगिता, 12 बजे ऊंट नृत्य

प्रतियोगिता, 7 बजे शाम प्यूजन म्यूजिक अनिरुद्ध वर्मा मुम्बई द्वारा, इसी प्रकार 11 नवंबर 10 बजे कबड्डी मैच स्थानीय बनाम विदेशी, 11:30 बजे अश्व नृत्य प्रतियोगिता, एक बजे अन्तर पंचायत समिति ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता, 7 डेजर्ट सिम्फनी पदमश्री अनवर खं द्वारा।

आध्यात्मिक पदयात्रा 12 को:— 12 नवंबर 9 बजे आध्यात्मिक पदयात्रा, 10 बजे अश्व वंश मादा प्रतियोगिता, 4 बजे शिल्पमाम हैडी क्राफ्ट बाजार 5 बजे गीर प्रदर्शनी, 5:30 बजे विकास प्रदर्शनी का

उद्घाटन, 5:30 बजे भजन व क्लासिकल म्यूजिक गौतम काले इन्दौर द्वारा, 7 बजे भजन संघ्या पदमश्री अनूप जलोटा द्वारा। 13 नवंबर 6 बजे प्रथम दुहारी, 9 बजे अश्व वंश नर प्रतियोगिता, 9 बजे लगान क्रिकेट मैच, 9 बजे संकर गौवंश नस्ल प्रतियोगिता, 11 शाम ए मूठ प्रतियोगिता, 11:30 साफ व तिलक प्रतियोगिता विदेशी युगल, एक गीर गौवंश नस्ल प्रतियोगिता व अंतर पंचायत समिति ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता फाइनल, 3 बजे वंश नस्ल प्रतियोगिता, 5:30

- मेला मैदान में विभिन्न प्रतियोगिताएँ व रंगारंग कार्यक्रम का शुभारंभ हो जाएगा
- देशी-विदेशी सैलानियों के साथ मैच, खेलकूद व अन्य प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी

द्रुपद गायन मधु भट्ट तैलंग द्वारा, शाम 6 द्वितीय दुहारी, 7 सांस्कृतिक कार्यक्रम बस्टे ऑफ राजस्थान पद्यश्री गुलाबो सफेरा द्वारा तथा 14 नवंबर 6 तृतीय दुहारी, 9 ऊंट व सर्वश्रेष्ठ मेला पुशु प्रतियोगिता, 10:30 मटका दौड़ प्रतियोगिता, 11:30 सॉलिंगम कुर्सि दौड़ प्रतियोगिता, 4 बजे रेत कला प्रतियोगिता अजय रावत पुष्कर द्वारा, 4 बजे तीज दुहारी प्रतियोगिता, 6 बजे महाआरती, 7 बजे मेगा नाईट कलाशा खेर की। 15 नवंबर 9 बजे पुरस्कार वितरण समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुशु परेड, लोक कलाकार एवं ऊँट परेड, चम्मच दौड़, रस्साकशी, मटका दौड़ आदि शाम 6 आरती होगी।

प्राध्यापक-विद्यालय (संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा 17 से

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा प्राध्यापक-विद्यालय (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन आगामी 17 से 21 नवंबर तक किया जाएगा। परीक्षा में ओएमआर उत्तर पत्रक के पॉंचवे विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत सूचना

आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग की संयुक्त सचिव ऋषिबाला श्रीमाली ने बताया कि संस्कृत शिक्षा विभाग में 8 विषयों के लिए प्राध्यापक-विद्यालय के कुल 52 पदों पर भर्ती का विज्ञापन 25 जनवरी 2024 को जारी किया गया था। इस परीक्षा के तहत जनरल अवेयरनेस एंड जनरल स्टडीज विषय की परीक्षा का

आयोजन 17 नवंबर 2024 को सुबह 10 से 11.30 बजे तक किया जाएगा। एग्जिकटिव ऑफिसरी की परीक्षाओं का आयोजन में हिन्दी 18 नवंबर 2024 सुबह 9 से 12 बजे तक, इतिहास 18 नवंबर दोपहर 2.30 से 5.30 बजे तक, रीजनिंग 19 नवंबर सुबह 9 से 12 बजे तक, इंग्लिश 19 नवंबर दोपहर 2.30 से 5.30 बजे तक,

यजुर्वेद 20 नवंबर सुबह 9 से 12 बजे तक, जनरल ग्रामर 20 नवंबर दोपहर 2.30 से 5.30 बजे तक, ग्रामर 21 नवंबर सुबह 9 से 12 बजे तक, लिटरेचर 21 नवंबर दोपहर 2.30 से 5.30 बजे तक। अर्थशास्त्र परीक्षा के लिए आवंटित परीक्षा उक्त की जानकारी 10 नवंबर 2024 से एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर प्राप्त

कर सकेंगे। परीक्षा के प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर 14 नवंबर 2024 को जारी किए जाएंगे। इस अनुसार अर्थशास्त्र विषय प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर लेवें। प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ट कर डाउनलोड किए जा सकेंगे।

राशिफल शुक्रवार 8 नवम्बर, 2024

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत् 2081, उत्तराषाढा नक्षत्र दिन 12:03 तक, शूल योग प्रातः 8:27 तक, गर कर्ण दिन 12:16 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला,

पंडित अनिल शर्मा चन्द्रमा-मकर, मंगल-कर्क, बुध-

वृश्चिक, गुरु-वृष, शुक्र-धनु,

शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रविवीर्य दिन 12:03 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 12:03 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 11:57 से आरम्भ होगी। आज कल्पविद, डाला छठ पर्व पर उदयगामी सूर्य को अर्घ्य और अष्टानिका महापर्व आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:07 तक, लाभ-अमृत 8:07 से 10:49 तक, शुभ 12:10 से 1:32 तक, चर 4:14 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:45, सूर्यास्त 5:36

राहुल ने अखंड भारत के निर्माण में राजघरानों के योगदान का मजाक उड़ाया : गजेंद्र सिंह शेखावत

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी का भारत की समृद्ध विरासत के विषय में अज्ञान और औपनिवेशिक मानसिकता ने सभी सीमाओं को पार कर दिया है। उनके विचारों से भारत के स्वाधीनता संघर्ष और अखंड भारत के निर्माण में राजघरानों के योगदान का बेशर्माई के साथ मजाक उड़ाया गया है, जो अत्यंत निंदनीय है। शेखावत ने कहा कि हजारों सालों में सनातन पर जितने भी हमले हुए, उन्हें राजस्थान के राजा-महाराजाओं ने पीढ़ियां कुर्बान करके बचाया। सनातन संस्कृति के मानबिंदुओं की रक्षा के लिए इन्होंने हमेशा बलिदान दिया। आज अगर इस देश में सनातन और हिंदुत्व जिंदा है तो उसका केवल और केवल कारण भारत के इन राजपरिवारों का बलिदान है।

राहुल गांधी के लिखे एक आलेख की निंदा करते हुए शेखावत ने कहा कि कांग्रेस के युवराज की भारतीय इतिहास की समझ कितनी भ्रष्ट और सलेक्टिव है, यह उनके आलेख से जाहिर होता है। यह हैरानी भरा है कि जो नेता भारत जोड़ो यात्रा के जरिए अपने को भारतीय जन-गण और मन के साथ ईमानदारी से खड़ा होने का दावा करता रहा है, वह अपने देश के स्वाधीनता संघर्ष और अखंड भारत

- देश के गौरव, मान-सम्मान के प्रतिक राजा-महाराजाओं का ये अपमान, नहीं सहेगा राजस्थान : डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल
- पूर्व राजपरिवारों पर राहुल गांधी की टिप्पणी निंदनीय : दिया कुमारी

के निर्माण के ऐतिहासिक तथ्यों के बारे में किस तरह कुपमंडूकता का शिकार है। शेखावत ने कहा कि राहुल और उनकी पार्टी के विचार आज भी गुलामी और औपनिवेशिकता की ग्रंथि से ग्रस्त हैं, जो उस भ्रष्ट इतिहास बोध को दिखाती है, जिसके तहत वे आजादी के बाद मुगलों और मुस्लिम आक्रांताओं के इतिहास को ही देश का इतिहास बताते रहे हैं। राहुल का आलेख उस मानसिकता को दिखाता है, जो भारतीय गौरव और स्वाधीन चेतना के महाराणा प्रताप व वीर शिवाजी जैसे अमर नायकों को इतिहास की किताबों के साथ, लोगों की स्मृति से भी दूर करने कोशिश में जुटी

रही है। भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने राहुल गांधी के बयान को घटिया, अपमान जनक और मूर्खतापूर्ण बताते हुए कहा कि राहुल गांधी को देश के संपूर्ण क्षत्रिय समाज से माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी ने इस तरह का बयान देकर देश के मान-सम्मान और गौरव के प्रतीक राजा-महाराजाओं का अपमान किया है। राजस्थान की संस्कृति, राजस्थान की अस्मिता और राजस्थान की संस्कृति के लिए किसी राष्ट्रीय नेता द्वारा इतना अपमानजनक आचरण और अपमान जनक टिप्पणी कतई स्वीकार्य नहीं होगी। क्षत्रिय समाज का ये अपमान, नहीं सहेगा राजस्थान। अग्रवाल ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा जारी आलेख में कहा कि देश के राजपूत समाज, राजा-महाराजाओं ने अंग्रेजों की दलाली की, गुलामी की, यह पूर्णतया मूर्खतापूर्ण बयान है। जिस भारत की संस्कृति और सभ्यता की बात आज हम कर रहे हैं, उसको बनाए रखने में, उसका संरक्षण और संवर्धन करने में इन्हीं राजपूत राजा-महाराजाओं की बहुत बड़ी भूमिका रही है। हमने बचपन से पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप जैसे महान योद्धाओं को पढ़ा, वे हमारे आदर्श हैं। ऐसे समाज का अपमान करने वाले राहुल गांधी को

मेरी स्पष्ट सलाह है कि अपनी मूर्खतापूर्ण बयान को वापस लें और सार्वजनिक रूप से माफी मांगें, अन्यथा आने वाले दिनों में इनका प्रचंड विरोध किया जाएगा। वहीं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उस लेख की निंदा की है जिसमें उन्होंने पूर्व राजपरिवारों के विरुद्ध अनर्गल टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अंग्रेजी और हिन्दी अखबारों में अपने लेख के माध्यम से पूर्व राजपरिवारों पर सारहीन आरोप लगाया है कि महाराजाओं को रिश्वत दे कर अंग्रेजों ने भारत पर शासन किया। राहुल गांधी द्वारा लिखे गये लेख में पूर्व राजपरिवारों की छवि धूमिल करने के प्रयास की मैं कड़े शब्दों में निंदा करती हूँ। दिया कुमारी ने कहा कि एकीकृत भारत का सपना पूरा करने के लिए सभी राजपरिवारों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। राहुल गांधी को इतिहास की जानकारी नहीं है। उनके द्वारा इतिहास के तथ्यों को जाने बिना इस तरह के लेख लिखना निरानुभव और निंदनीय है। वे अपने राजनीतिक छवि को चमकाने के लिए दूसरों के परिवारों पर कौंच उछालना बंद करें और अपने संवैधानिक पद की मर्यादा को बनाये रखें।

राजस्थान विधानसभा सर्वश्रेष्ठ बनने की ओर अग्रसर : देवनानी

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधान सभा में जन-दर्शन, सर्वदलीय बैठक, भारतीय वर्ष के अनुसार दैनन्दिनी और वार्षिक कैलेण्डर का प्रकाशन कर ऐतिहासिक नवाचार किये गये हैं। उन्होंने कहा कि नई गति, नई दिशा और नवाचारों के साथ राजस्थान विधान सभा सर्वश्रेष्ठ विधान सभा बनने की ओर अग्रसर है। देवनानी ने गुरुवार को सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) में आयोजित राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के 67 वें सम्मेलन के दौरान आयोजित साधारण सभा में राजस्थान विधान सभा में किये जा रहे नवाचारों की जानकारी दी।



विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी

देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा के द्वार आमजन के लिये खोल दिये गये हैं। विधान सभा में राजनैतिक आख्यायिका संग्रहालय का आमजन, विद्यार्थी और शोधार्थी अवलोकन कर रहे हैं। दिन-प्रतिदिन आमजन की संख्या संग्रहालय को देखने के लिये बढ़ती जा रही है। राजस्थान की समृद्ध संस्कृति और राजनैतिक इतिहास

- राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ का 67वां सम्मेलन
- देवनानी की सिंध विधानसभा अध्यक्ष कादिर शाह से मुलाकात

भारत के विभिन्न राज्यों की विधान सभाओं के अध्यक्षों ने गौरव की अनुभूति की। देवनानी और कादिर शाह की मुलाकात राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सम्मेलन में विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से सिंध विधान सभा अध्यक्ष ओवैस कादिर शाह की मुलाकात हुई। देवनानी ने बताया कि इस मुलाकात में सिंध के कला, संस्कृति और इतिहास के बारे में जानकारी साझा की गई। दोनों के बीच सिंधी भाषा में संवाद हुआ। कादिर शाह ने देवनानी को पाकिस्तान आने का निमंत्रण भी दिया।

डूबते सूर्य भगवान को दिया अर्घ्य



छठ सूर्य उपासना महापर्व के तीसरे दिन गुरुवार को 36 घंटे का व्रत रखे हुए श्रद्धालुओं ने शाम को सूर्यास्त के समय कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया।

जयपुर। उत्तर भारतीयों के चार दिवसीय छठ सूर्य उपासना महापर्व के तीसरे दिन गुरुवार को 36 घंटे का व्रत रखे हुए श्रद्धालुओं ने शाम को सूर्यास्त के समय कमर तक पानी में खड़ी होकर सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया। गलताजी, आमेर के सागर, मावठे में शाम होने से पहले ही बड़ी संख्या में व्रती बांस की टोकरी में मौसमी फल, ठेकुआ, कसर, गन्ना और पूजा का सामान लेकर पहुंच गए। सूर्य के अस्तावृत्त की ओर बढ़ते ही सभी श्रद्धालु कमर तक पानी में खड़े होकर लोक गीत गाते हुए सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया।

मान्यताओं के अनुसार शाम के समय सूर्य अपनी पत्नी प्रत्युषा के साथ समय बिताते हैं। इसलिए छठ पूजा में शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य देने से उनकी पत्नी प्रत्युषा की भी उपासना हो जाती है। इस वजह से व्रती की मनोकामनाएं जल्द पूर्ण होती हैं। मुख्य रूप से गलताजी तीर्थ, शास्त्री नगर स्थित स्वर्ण जयंती गार्डन के पीछे किशनबाग में, हसनपुरा में दुर्गा विस्तार कॉलोनी, दिल्ली रोड, प्रताप नगर, मालवीय नगर, रॉयल सिटी माचवा, मुरलीपुरा, आदर्श नगर, विश्वकर्मा, जवाहर नगर, निवाह रोड, झोटावाड़ा में लक्ष्मी नगर, कानोता, आमेर रोड, सोडाला, अजमेर रोड, हीरापुरा पावर हाउस, सिविल लाईंस, गुर्जर की थड़ी, आकेड़ा डूंगर सहित अन्य क्षेत्रों में शाम का अर्घ्य दिया गया। कॉलोनियों में कृत्रिम जलाशयों का निर्माण कर अर्घ्य दिया गया।

गलताजी सहित अन्य जल स्रोतों पर रात भर जागरण हुआ। उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, बिहार के लोक गायकों ने छठ मैया का गुणगान किया। गलताजी में एस के सिन्हा, डॉ. ए.के.ओझा, चंदन रावत, राम आशीष प्रजापत, संजोय मिश्रा, रंजीत पटेल, नरेश मिश्रा, शशि शंकर झा, सत्यनारायण यादव, देवेंद्र मंडल, राहुल कुमार, चंदन सिंह, प्रहलाद मंडल, रूप किशोर, नोखेलाल महतो एवं अन्य ने स्वयंसेवक के रूप में गलताजी तीर्थ पर सेवाएं दीं। बिहार समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन शर्मा, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुरेश पंडित, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुभाष बिहारी ने अलग-अलग स्थानों पर व्यवस्थाएं संभाली।

आठ नवंबर को संतान की लंबी आयु की कामना के साथ उगते सूर्य भगवान को छठ मैया मानते हुए अर्घ्य दिया जाएगा। व्रती छठ मैया से सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। अर्घ्य के बाद व्रती घर आकर पारणा करेंगे। जिनके घर में किसी कार्य सिद्धि के लिए कामना की गई थी उसके पूरा होने पर मांगी कोसी भरा जाएगा। भोर में कोसी के साथ गन्ना, ठेकुआ आदि प्रसाद को एक साथ बांध दिया जाता है। सूर्य देव को लालिमा से पहले कोसी का विसर्जन किया जाएगा। कोसी में मिट्टी के हाथी पर दो कलश, गन्ने के साथ खड़ा किया जाता है।

'पाँक्सो से जुड़े मामले समझौते के आधार पर रह नहीं हो सकते'

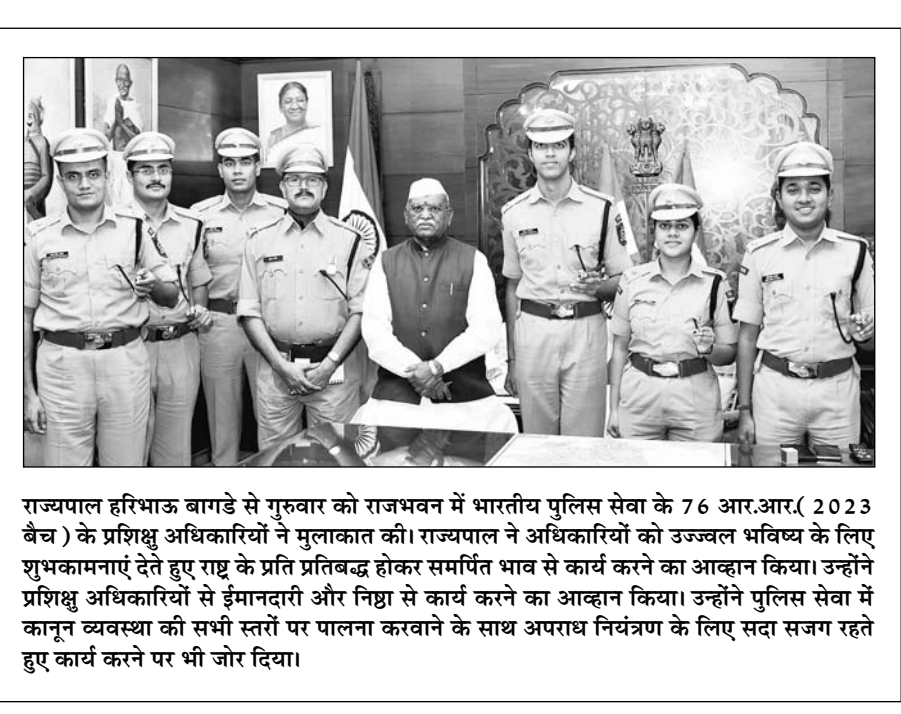
जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान की नाबालिग स्कूल छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न से जुड़े मामले में कहा है कि बच्चों के साथ हुए गंभीर अपराधों को पक्षकारों के बीच हुए समझौते के आधार पर रह नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के 4 फरवरी, 2022 के उस आदेश को भी गलत मानकर निरस्त कर दिया, जिसमें नाबालिग छात्रा के परिवार और आरोपी शिक्षक के बीच हुए आपसी समझौते को रद्द किया गया था। जस्टिस सी.टी. रविकुमार और जस्टिस संजय कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश पीड़िता के गांव के एक निवासी की याचिका पर दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि फटी हुई जैकेट को जैकेट को जल्द ठीक किया जा सकता है, लेकिन एक बच्चे का घायल दिल फिर से जीवित नहीं हो सकता।

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान की नाबालिग स्कूल छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न से जुड़े मामले में कहा है कि बच्चों के साथ हुए गंभीर अपराधों को पक्षकारों के बीच हुए समझौते के आधार पर रह नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के 4 फरवरी, 2022 के उस आदेश को भी गलत मानकर निरस्त कर दिया, जिसमें नाबालिग छात्रा के परिवार और आरोपी शिक्षक के बीच हुए आपसी समझौते को रद्द किया गया था। जस्टिस सी.टी. रविकुमार और जस्टिस संजय कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश पीड़िता के गांव के एक निवासी की याचिका पर दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि फटी हुई जैकेट को जैकेट को जल्द ठीक किया जा सकता है, लेकिन एक बच्चे का घायल दिल फिर से जीवित नहीं हो सकता।

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान की नाबालिग स्कूल छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न से जुड़े मामले में कहा है कि बच्चों के साथ हुए गंभीर अपराधों को पक्षकारों के बीच हुए समझौते के आधार पर रह नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के 4 फरवरी, 2022 के उस आदेश को भी गलत मानकर निरस्त कर दिया, जिसमें नाबालिग छात्रा के परिवार और आरोपी शिक्षक के बीच हुए आपसी समझौते को रद्द किया गया था। जस्टिस सी.टी. रविकुमार और जस्टिस संजय कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश पीड़िता के गांव के एक निवासी की याचिका पर दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि फटी हुई जैकेट को जैकेट को जल्द ठीक किया जा सकता है, लेकिन एक बच्चे का घायल दिल फिर से जीवित नहीं हो सकता।

'मेरिट के आधार पर कर सकते हैं सीट आवंटित'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीट यूजी स्टे. राउंड काउंसिलिंग से जुड़े मामले में दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया है। हालांकि अदालत ने कहा है कि यदि फीस आदि जमा नहीं करने के कारण यदि सीटें खाली रहती हैं तो उसे मेरिट के आधार पर याचिकाकर्ताओं से भरा जा सकता है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश संजय चौधरी व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं को खारिज करते हुए दिए। याचिकाओं में कहा गया कि नीट यूजी की काउंसिलिंग में हर बार पहले एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए अध्येर्षी को मेडिकल कॉलेज आवंटित किया जाता था और उसके बाद उसके दस्तावेज सत्यापन किए जाते थे।



राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से गुरुवार को राजभवन में भारतीय पुलिस सेवा के 76 आर.आर.(2023 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों ने मुलाकात की। राज्यपाल ने अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध होकर समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने पुलिस सेवा में कानून व्यवस्था की सभी स्तरों पर पालना करवाने के साथ अपराध नियंत्रण के लिए सदा सजग रहते हुए कार्य करने पर भी जोर दिया।

एस.आई.टी. गठित करे राज्य सरकार : आयोग

जयपुर। राज्य मानवाधिकार आयोग ने कहा है कि आयोग के समक्ष पुलिसकर्मियों की ओर से मारपीट और दुर्व्यवहार करने सहित अन्य शिकायतें आती हैं। आरोपी के ऐसे आरोप लगाना और पुलिसकर्मियों के ऐसे आक्षेपों को नकारना, एक सामान्य बात है। इसके बावजूद किसी भी नागरिक के कानूनी अधिकारों की अवहेलना करना एक गंभीर मुद्दा है। आयोग ने कहा कि कानून ऐसी स्वतंत्रता नहीं देता कि किसी नागरिक के साथ विधि विरुद्ध आचरण किया जाए। इसलिए जरूरी है कि पुलिसकर्मियों के खिलाफ आई शिकायत की जांच एक स्वतंत्र कमेटी की ओर से की जाए। इसके साथ ही आयोग ने डीजीओ और गृह सचिव को कहा है कि वे ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच के लिए एक विशेष दल का गठन करें। वहीं इसमें संबंधित जिले के एक सरकारी चिकित्सक और उपखंड अधिकारी सहित घटना से भिन्न क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक को शामिल किया जाए। आयोग ने कहा कि पूर्व में दिए गए निर्देशों के क्रम में जयपुर पुलिस कमिश्नर ने ऐसे मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित कर प्रशंसनीय कदम उठाया है।

प्रहलाद खटाना ने चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकार ने जल्द ही उनकी मांगों का समाधान नहीं किया तो सरकार के विरोध में एक बार फिर पीलुपुरा में आंदोलन की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अब तक ही आंदोलन में समझौते के बाद ही

एम.बी.सी. वर्ग ने दी फिर आंदोलन की चेतावनी

लंबित मांगों पूरी नहीं किए जाने पर उपचुनावों में भाजपा का किया जाएगा विरोध?

जयपुर। एमबीसी वर्ग की लंबित मांगों को पूरा नहीं किए जाने पर गुर्जर आरक्षण एमबीसी वर्ग ने एक बार फिर आंदोलन की चेतावनी दी है। इसके लिए गुरुवार को गुर्जर समाज की ओर से प्रहलाद खटाना एवं राहुल प्रधान ने प्रेसवार्ता कर बताया कि राज्य सरकार और गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के बीच हुए समझौते की कई मांगों अभी भी लंबित हैं। इसके साथ ही सरकारी भर्तियों में 2013 में एक फीसदी आरक्षण के साथ ही नियुक्तियों दी गई थी, ऐसे में शेष 4 फीसदी पदों को भी भरा जाए।

- पीलुपुरा में एक बार फिर से रेल रोकने की चेतावनी दी
- गुर्जर समाज की ओर से प्रहलाद खटाना एवं राहुल प्रधान ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी

लेकिन उन्हें कोई सुविधा नहीं दी गई है। ऐसे में उन्हें कार्यालय, बंगला और स्टाफ उपलब्ध करवाया जाए। साथ ही गुर्जर आंदोलन के दौरान शहीद रूपनारायण गुर्जर के परिजनों को अब तक सरकारी नौकरी नहीं दी गई है, इसकी फाइल भी सीएमओ पहुंच गई है लेकिन उस पर लंबे समय से कोई निर्णय नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जनसंख्या के हिसाब से एमबीसी वर्ग का आरक्षण कोटा भी बढ़ाया जाए। साथ ही एमबीसी के लिए भी अलग से प्रमाण पत्र जारी करने की व्यवस्था की जाए। साथ ही उन्होंने देवनारायण बोर्ड का बजट बढ़ाकर एक हजार करोड़ करने और छात्रवृत्ति स्कीम और अन्य सहायता का दायरा बढ़ाकर समय पर वितरण की व्यवस्था करवाने की मांग की।

सरकारी जमीनों से अतिक्रमण हटाने के बाद तुरंत प्लानिंग करें : आनंदी

शहर में भूखंडों की नीलामी करके और लीज डीड के बकायेदारों से वसूली करके राजस्व कोष मजबूत करेगा जे.डी.ए. प्रशासन

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर। जयपुर विकास आयुक्त आनंदी ने गुरुवार को जेडीए के तमाम विभागों के अफसरों की बैठक ली। उन्होंने आगामी दिनों में लगाये जाने वाले नियमन शिविरों, सरकारी जमीनों से हटाए गए अतिक्रमणों और पंश एरिया की जमीनों की प्लानिंग के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही कमर्शियल जमीनों की नीलामी करने, लीज डीड के बकायेदारों को नोटिस जारी कर राजस्व वसूलने तथा अवैध रूप से संचालित विवाह स्थलों पर कार्रवाई के लिए अफसरों को निर्देश दिए।



जयपुर विकास आयुक्त आनंदी ने गुरुवार को सभी प्रकोष्ठ के अधिकारियों की बैठक ली।

- कमिश्नर ने अफसरों से नियमन शिविर और आवासीय-व्यावसायिक योजनाएं जल्द धरातल पर उतारने के लिए कहा
- जयपुर शहर में अवैध तरीके से संचालित विवाह स्थलों पर भी कार्रवाई के लिए निर्देश दिए

जेडीए का राजस्व कोष मजबूत करने के लिए जिन बड़े भूखंडधारियों पर लीज डीड राशि बकाया है, उन्हें नोटिस थमाकर वसूली करें। इसके साथ ही अदालतों में चल रहे लंबित केसों में भी प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करवायी जाये। जेडीए क्षेत्राधिकार में अवैध रूप से संचालित विवाह स्थलों को नोटिस जारी करें। साथ ही नागर निगम प्रेटर-हैरिटेज क्षेत्राधिकार में अवैध रूप से संचालित विवाह स्थलों को एनओसी निरस्त कर नियमानुसार कार्यवाही की जाये।

जेडीए का राजस्व कोष मजबूत करने के लिए जिन बड़े भूखंडधारियों पर लीज डीड राशि बकाया है, उन्हें नोटिस थमाकर वसूली करें। इसके साथ ही अदालतों में चल रहे लंबित केसों में भी प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करवायी जाये। जेडीए क्षेत्राधिकार में अवैध रूप से संचालित विवाह स्थलों को नोटिस जारी करें। साथ ही नागर निगम प्रेटर-हैरिटेज क्षेत्राधिकार में अवैध रूप से संचालित विवाह स्थलों को एनओसी निरस्त कर नियमानुसार कार्यवाही की जाये।

"राइजिंग राजस्थान" जिला स्तरीय इन्वेस्टमेंट समिट में आज होंगे 45 हजार करोड़ रु. के एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर

जयपुर (कासं)। जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूर जिलों की जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन 8 नवंबर 2024 को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में किया जाएगा। जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में 45 आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में 45 हजार करोड़ के 205 निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर होंगे, जिसमें 2 लाख 6 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। जिला कलक्टर ने गुरुवार को

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट की तैयारियों का जायजा लिया एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। इस दौरान उन्होंने बताया कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूर जिले अपनी अहम भागीदारी निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। जिला कलक्टर ने बताया कि राइजिंग राजस्थान के तहत जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूर जिले में जेम्स एंड ज्वेलरी, मेडिकल, स्पोर्ट्स, गार्मेंट, वेयरहाउस, ई-वेस्ट, केनल,

रीयल एस्टेट, ऑयल रिफायनरी एवं टेक्सटाइल सहित अन्य प्रमुख क्षेत्रों के निवेशकों ने नए उद्योगों की स्थापना की औद्योगिक विस्तार में अपनी रुचि दिखाई है। जिले में मुख्य रूप से जेम्स बूर्स ने 11 हजार करोड़, गो अन्वयारण हेतु 3 हजार करोड़, ऑयल रिफायनरी हेतु 1 हजार 500 करोड़, एबीए इंडियन ऑयल द्वारा 1 हजार 200 करोड़, क्रैडोई ने 1 हजार करोड़, मंगलम समूह ने क्रैडोई के तहत हेतु 1 हजार करोड़ के एमओयू पर सहमति जाहिर की है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन, अधिक से

अधिक निवेश आकर्षित करने एवं ज्यादा रोजगार के अवसर सृजित के लिए उद्योगों, निवेशकों एवं 34 औद्योगिक संगठनों के साथ बैठक निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने का हर संभव प्रयास किया गया है। जिला कलक्टर ने बताया कि राइजिंग राजस्थान के तहत जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूर जिले में निवेश प्रोत्साहन, औद्योगिक विकास एवं रोजगार सृजन के लिए जिला प्रशासन लगातार निवेशकों, उद्योगियों एवं औद्योगिक समूहों से लगातार संपर्क किया है।

रॉबिन उथप्पा

भारत के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा रचिन रिविंड को सीएसके एकेडमी में प्रैक्टिस करने की अनुमति देने के लिए आलोचना की है। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले रचिन ने आईपीएल फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स अकादमी में अभ्यास किया था। रिचर्ड वेत्र नोएडा

क्या आप जानते हैं ? ... ज्योफ बायर्कोट ने दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध 47 रन देकर 3 विकेट लिए जो उनके टेस्ट कैरियर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी विरलेषण था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में कौन होगा रोहित का रिप्लेसमेंट?



नई दिल्ली, 07 नवम्बरा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2025 के तहत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों से इस टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। ऐसे में पर्थ में उनके स्थान पर कौन मैच श्रीलंका में खेले थे, पिछली बार एशिया कप का आयोजन हाइब्रिड मॉडल के तहत हुआ था।

लिए भी उतरा। लेकिन 4 रन ही उनका खेल खत्म हो गया।ऐसे में भारतीय टीम मैनेजमेंट के सामने फिर नई पहली खड़ी हो गई। राहुल के साथ ही रिजर्व ओपनर ईश्वरन भी प्लॉय रहे। वो तो खाता तक नहीं खोल पाए। मेलबर्न के ग्रीन टॉप विकेट पर वो मैच की तीसरी ही गेंद पर आउट हो गए। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहले अनऑफिशियल टेस्ट में भी अभिमान्यु नाकाम रहे थे। उन्होंने दोनों पारी मिलाकर 19 रन बनाए थे। ऐसे में भारतीय टीम मैनेजमेंट की सलाामी का संकेत सुलझाने के बजाए उलझता दिख रहा।

केएल राहुल ने इससे पहले भी विदेशी दौरों पर ओपनिंग की है। वो ऑस्ट्रेलिया में भी ओपनिंग कर चुके हैं और उन्होंने पारी की को टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों से इस टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। ऐसे में पर्थ में उनके स्थान पर कौन मैच श्रीलंका में खेले थे, पिछली बार एशिया कप का आयोजन हाइब्रिड मॉडल के तहत हुआ था।

राहुल को बाकी स्क्वांड से पहले ऑस्ट्रेलिया में कुछ खास भेजा गया और वो ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में ओपनिंग के



आज का खिलाड़ी

अधिकारियों से बात की थी।

पाकिस्तान को लंबे समय बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है। हालांकि, भारत का इ टूर्नामेंट में हिस्सा लेना अभी तय नहीं है। भारतीय सरकार ने इससे पहले कभी टीम को पाकिस्तान भेजने के लिए कोई आधिकारिक पत्र नहीं दिया है और रिपोर्टरस के मुताबिक इस बार भी ऐसा नहीं करेंगे।

पीसीबी का कहना है कि बीसीसीआई भारतीय सरकार की अनुमति लेकर लिखित में जवाब दे। अगर ऐसा नहीं होता है तो आईसीसी जो शेड्यूल जारी करेगा उसमें भारत के मैच पाकिस्तान में ही होंगे। अगर भारत हिस्सा लेने से इनकार करता है तो

आईसीसी ने बैकअप प्लान तैयार किया हुआ है। वह बजट को रिवाइज करेगा लेकिन इस बारे में और जानकारी नहीं दी गई है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कुछ समय चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा कि, फिनहाल किसी तरह का स्टैंड नहीं लिया गया है। लेकिन जब आएगा तो तय कर लिया जाएगा। भारतीय टीम 20०8 के बाद से पाकिस्तान नहीं गई है। भारतीय टीम एशिया कप के लिए भी पाकिस्तान नहीं गई थी। उसने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे, पिछली बार एशिया कप का आयोजन हाइब्रिड मॉडल के तहत हुआ था।

// पीसीबी ने बीसीसीआई से की डिमांड // लिखित में जवाब मांगा है कि टीम इंडिया पाकिस्तान जाएगी या नहीं।

नई दिल्ली, 07 नवम्बरा पाकिस्तान में अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होने वाला है। आईसीसी आमतौर पर तीन महीने शेड्यूल का ऐलान कर देता है। रिपोर्टरस के मुताबिक 10 से 12 नवंबर के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का शेड्यूल का भी ऐलान हो जाएगा। ऐलान से पहले पाकिस्तानी मीडिया ने बड़ा दावा किया है। वहां छपी रिपोर्टरस के मुताबिक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड भारतीय क्रिकेट बोर्ड से लिखित में जवाब मांगा है कि टीम इंडिया पाकिस्तान जाएगी या नहीं।पीसीबी जवाब है कि भारत लिखित में हां या न में जवाब दे। पीसीबी के सीओओ सलमान नसीर दुबई में हैं और आईसीसी अधिकारियों से बात



कर रहे हैं। नसीर से पहले पीसीबी चैयमैन ने शेड्यूल तय होने से पहले आईसीसी

जुरेल चमके पर नहीं चले राहुल, उछाल लेती पिच पर भारत ए रहा नाकाम



नई दिल्ली, 07 नवम्बरा। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने अपनी शानदार तकनीक और संयम के साथ खेलने के कौशल का अच्छा नमूना पेश किया लेकिन भारत ए के अन्य बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय क्रिकेट मैच के पहले दिन गुरुवार को यहां उछाल लेती पिच पर संघर्ष करते नजर आए। भारत ए की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 57.1 ओवर में 161 रन पर आउट हो गई। इनमें लगभग आधे रन तीसरे ओवर में बल्लेबाजी करने आए जुरेल (186 गेंदों पर 80 रन) ने बनाए। उनके अलावा 20 रन का आंकड़ा पार करने वाले अन्य बल्लेबाज देवदत्त पंडिक्कल (26) थे। जुरेल की तरह इस मैच में खेलने के लिए विशेष रूप से यहां पहुंचे केएल राहुल फिर से असफल रहे और केवल चार रन बनाकर स्कॉट बोर्लैंड की गेंद पर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक माइकल नेसर ने 27 रन देकर चार विकेट लिए। उन्होंने पहले ओवर में ही भारत को करारा झटका दिया जिससे भारतीय टीम आखिर तक नहीं उबर पाई। स्टंप्स के समय ऑस्ट्रेलिया ए ने जवाब में दो विकेट पर 53 रन बना लिए थे। भारतीय गेंदबाजों में मुकेश कुमार फिर से सर्वश्रेष्ठ नजर आए। पहले दिन का आकर्षण जुरेल की पारी रही। उन्होंने उछाल लेती पिच पर न सिर्फ धैर्य से बल्लेबाजी की बल्कि लेंथ का भी सही अकलन किया।बोर्लैंड पर लगाया गया उनका छक्का दर्शनीय था। भारतीय टीम में ऋषभ पंत पहली पसंद के विकेटकीपर बल्लेबाज हैं, लेकिन जुरेल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 नवंबर से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में अपना दावा ठोक दिया है। उन्हें सरफराज खान की जगह अंतिम पकड़श में लिया जा सकता है। राहुल भले ही नहीं चल पाए लेकिन अगर रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाते हैं तो टीम प्रबंधन सलामी बल्लेबाज के रूप में उन पर भरोसा दिखा सकता है क्योंकि इस स्थान के एक अन्य दावेदार अभिमान्यु ईश्वरन यहां की परिस्थितियों में फिर से असफल रहे और खाता खोले बिना पवेलियन लौटे।

// राजस्थान - हैदराबाद रणजी मैच //

राजस्थान के अजय सिंह कुकना, महिपाल चमके

जयपुर, 07 नवम्बरा बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2024 -25 की राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी के जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम पर राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जा रहे राजस्थान - हैदराबाद रणजी मैच के दूसरे दिन राजस्थान के गेंदबाज अजय सिंह कुकना की शानदार गेंदबाजी व बल्लेबाज महिपाल की नाबाद अर्धशतकीय पारी।

राजस्थान - हैदराबाद रणजी मैच (दूसरे दिन का स्कोर) : हैदराबाद पहली पारी 410 आल आउट, पहले बल्लेबाजी राहुल १०0 की शतकीय पारी व राहुल सिंह ने 66 रन की पारी खेली। राजस्थान के लिए अजय सिंह कुकना ने लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए हैदराबाद के खिलाफ जरूरस्ट गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट प्राप्त किये। टीम के गेंदबाज अजय सिंह कुकना 139 / 5 , दीपक चाहर 60 / 2 , दीपक हुड्डा



28 / 1 ,अराफात खान 43 / 1 व अनिकेत चौधरी 68 / 1 विकेट प्राप्त किये।

हॉकी इंडिया ने भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने पर जश्न की घोषणा की

नई दिल्ली, 07 नवंबरा। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को भारतीय हॉकी की 1०0 साल पूरा होने के उपलक्ष्य में साल भर चलने वाले एक भव्य जश्न की शुरुआत की घोषणा की।

आज के ही दिन सात नवंबर 1925 में ग्वालियर शहर में हॉकी के लिए एक राष्ट्रीय निकाय की आधिकारिक तौर पर स्थापना की गई थी। इस निर्णायक क्षण ने विजय और गौरव की एक यात्रा की जोत जलाई, जिसने भारत को खेल में एक शक्तिशाली देश के रूप में मजबूती से स्थापित किया। पिछले 99 वर्षों में भारतीय हॉकी आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक, एक रजत और चार कांस्य पदक और एक हॉकी विश्व कप ट्रॉफी जीती है।

52 साल के इंतजार के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम का लगातार दो ओलंपिक पदक जीतना एक प्रभाव्य ओलंपिक में महिला हॉकी टीम का टोक्याशाली चौथा स्थान हासिल करना, साथ ही उनकी एफआईएच नेशंस कप जीत, इस पुनरुद्धार के प्रमाण है। हॉकी इंडिया लीग की वापसी,

जो इस स्मारकीय वर्षगांठ के साथ मेल खाती है, हॉकी इंडिया की हमारे शानदार अतीत को संरक्षित करने और आगे के रोमांचक भविष्य को अपनाने की प्रतिबद्धता का एक जीवंत प्रमाण है। भारत ने कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की सफलतापूर्वक मेजबानी की है और देश भर में अन्यायुक्त कृत्रिम टर्फ के साथ विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का विकास किया है। हॉकी इंडिया ने सदस्य इकाई पोर्टल और ऑनलाइन खिलाड़ी पंजीकरण प्रणाली जैसी डिजिटल पहलों के साथ नवाचार को अपनया है। अधिकारियों ने हमारा कोचिंग शिक्षा मार्ग भी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया है।

हॉकी इंडिया ने हमेशा खेलों में लैंगिक समता का समर्थन किया है। वे टूर्नामेंट जीतने वाली पुरुष और महिला टीमों के लिए समान पुरस्कार राशि और सभी फील्डों के लिए समानकीकृत मैच जीतने वाली फील्डों का गर्व से समर्थन करते हैं। हॉकी देश का एकमात्र टीम खेल है जिसमें पूर्ण वेतन समानता है।



सबसे शांत लोगों में से एक थे लेकिन जब मै थ्रो करता था तो आपके शब्द मेरे कानों में सबसे ज्यादा गुंजते थे। मुझे आपके मजाक और हंसी की कमी खलेगी। लेकिन सबसे ज्यादा मैं एक टीम के रूप में हमें याद करूंगा। - नीरज चोपड़ा

भारत के ओलंपिक मेडलिस्ट, कोच के रिटायरमेंट पर भावुक हुए

राज्य स्तरीय अंडर 14 यूथ कप

जयपुरिया एकेडमी व नारायणा एकेडमी जीती

जयपुर, 7 नवंबरा राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर - 14 यूथ कप प्रतियोगिता में आज खेले गए मैचों में जयपुरिया एकेडमी ने जी आर एकेडमी 3 विकेट से हराया तथा दूसरे मैच में नारायणा एकेडमी ने एन बी एकेडमी को 8 विकेट 2, आदिश जैन, रचित गुप्ता व राघव ने एक एक विकेट लिया। जवाबी पारी में जयपुरिया एकेडमी की टीम ने रायन के 64 रन, अलानस के 25 रन व विशेष झालानी के 15 रनों से 38.4 ओवर में 7 विकेट पर 154 रन बनाकर मैच जीत लिया। जी आर एकेडमी के लिए भीष्म चेलानी ने 15 पर 3, अगम ने 20 पर 2 विकेट लिए। दूसरे मैच में नारायणा ग्रांडंड पर खेले गए मैच में एन बी एकेडमी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए विहान जैन के 23 रन, मोनिका धवन के 38 रनों से 37.3 ओवर में 122 रन बनाए। नारायणा एकेडमी के लिए आदित्य यादव ने 18 पर 4, जयदीप यादव ने 18 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में नारायणा एकेडमी ने सचिन के 36 रन, आदित्य शर्मा के 34 रन, नयिम दुलार के 40 रन नाबाद से 17.3 ओवर में 2 विकेट पर 123 रन बना कर मैच जीत किया। एन बी एकेडमी के रौनक सिंह ने 22 पर 2 विकेट लिए।

आयुष सारस्वत के 27 रन, ऋषि चौहान के 32 रन व मोहम्मद इनाम के 32 रनों से 43.1 ओवर में 153 रन बनाए। जयपुरिया एकेडमी के लिए साहिल चौधरी ने 17 पर, अशीत गुप्ता ने 17 पर 2, आदिश जैन, रचित गुप्ता व राघव ने एक एक विकेट लिया। जवाबी पारी में जयपुरिया एकेडमी की टीम ने रायन के 64 रन, अलानस के 25 रन व विशेष झालानी के 15 रनों से 38.4 ओवर में 7 विकेट पर 154 रन बनाकर मैच जीत लिया। जी आर एकेडमी के लिए भीष्म चेलानी ने 15 पर 3, अगम ने 20 पर 2 विकेट लिए। दूसरे मैच में नारायणा ग्रांडंड पर खेले गए मैच में एन बी एकेडमी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए विहान जैन के 23 रन, मोनिका धवन के 38 रनों से 37.3 ओवर में 122 रन बनाए। नारायणा एकेडमी के लिए आदित्य यादव ने 18 पर 4, जयदीप यादव ने 18 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में नारायणा एकेडमी ने सचिन के 36 रन, आदित्य शर्मा के 34 रन, नयिम दुलार के 40 रन नाबाद से 17.3 ओवर में 2 विकेट पर 123 रन बना कर मैच जीत किया। एन बी एकेडमी के रौनक सिंह ने 22 पर 2 विकेट लिए।

जिला क्रिकेट संघ दौसा, क्रिकेट अंडर -14 की ट्रायल 9 नवम्बर को

जयपुर, 7 नवंबरा राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर -14 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए जिला क्रिकेट संघ दौसा की टीम का चयन 9 नवंबर शनिवार को सुबह 9 बजे से राजेश पायलट स्टेडियम दौसा पर आयोजित की जाएगी। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बुजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि चयन ट्रायल में जो ही खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं जो काम से कम गत तीन वर्ष से ज़िले में स्थायी निवास कर रहे हो एवं ट्रायल में शामिल होने के लिए खिलाड़ियों को निम्न डॉक्यूमेंट्स साथ लाना अनिवार्य हैं। कैंप्टरट जेनेटेटेड जन्म प्रमाण पत्र, अंतिम 3 वर्ष की मार्क शीट, खिलाड़ी का और माता पिता का आधार कार्ड, माता पिता का वोटर आईडी/ ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट (इनमें से कोई एक) सभी डॉक्यूमेंट्स ओरिजिनल लाने अनिवार्य हैं। इस प्रतियोगिता में वही खिलाड़ी हिस्सा ले सकते हैं जिनका जन्म 1.9.2010 से 31.8.2012 के बीच हुआ है। डीसीए के सचिव बुजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि टीम में खिलाड़ियों के निष्पक्ष चयन के लिए ट्रायल में संभावित खिलाड़ियों का चयन किया जायेगा उसके बाद संभावित खिलाड़ियों का आपस में दो टीम बनाकर मैच करायेंगे उस मैच की परफॉर्मंस के आधार पर टीम का चयन किया जायेगा ।

17 साल बाद डरबन के किंग्समीड मैदान पर उतरेगा भारत

नई दिल्ली, 07 नवंबरा दक्षिण अफ्रीका दौरे पर शुक्रवार से शुरू हो रही चार टी-20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम जीत के लक्ष्य के साथ 17 साल बाद डरबन के किंग्समीड मैदान पर उतरेगी। किंग्समीड मैदान पर वर्ष 2007 में भारत ने एकमात्र टी-20 मैच खेला है। 17 साल पहले खेले गए इस मैच में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 37 रनों से शिकस्त दी थी। इस मुकाबले में रोहित शर्मा ने अर्धशतक लगाया था और आशी सिंह ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार ओवरों में महज 13 रन देकर चार विकेट झटक थे। सीरीज का पहला मैच डरबन के किंग्समीड मैदान पर होगा। इस मैदान की पिच का मिजाज समझना बड़ा ही मुश्किल रहा है। इस मैदान पर 18 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले हो चुके है। ऐसा देखा गया है कि यह एक हार्ड-स्कोरिंग मैदान रहा है, इस मैदान में पहली पारी में औसत स्कोर 153 रन और दूसरी पारी में औसत स्कोर 135 रन पर आ जाता है।

किरण जॉर्ज कोरिया मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में

इक्सान (दक्षिण कोरिया), 07 नवंबरा भारतीय शटलर किरण जॉर्ज ने गुरुवार को पुरुष एकल मुकाबले में चीनी ताइपे के ची यू जेन को हराकर कोरिया मास्टर्स टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये 16 राउंड मुकाबले में बैडमिंटन रैंकिंग में 41वें स्थान पर मौजूद किरण ए पंक घंटा और 15 मिनट तक चले बेहद ही रोमांचक मैच में चीनी ताइपे के 31वौं रैंक वाले ची यू जेन को 21-17, 19-21, 21-17 से हराया।

दबंग दिल्ली ने बंगाल वारियर्स को 33-30 से हराया

हैदराबाद, 07 नवंबर। आशू मलिक (10), विनय (8) और आशीष (6) के बेहतरीन खेल की बदौलत दबंग दिल्ली केसी ने गाचीबोवली के जीएमसी इंडो के 11वें नंबरवा को हराकर जो खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 22 वें सीजन के 39वें मैच में बंगाल वारियर्स को 33-30 से हरा दिया। चार मैचों के बाद दिल्ली को जीत मिली जबकि बंगाल को चार मैचों के बार हार मिली।

जयपुर की युवा गोल्फर ओजस्विनी सारस्वत ने पुणे में जीता राष्ट्रीय खिताब

जयपुर, 7 नवंबर।जयपुर की युवा गोल्फ खिलाड़ी ओजस्विनी सारस्वत ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए पुणे के ऑक्सफोर्ड गोल्फ रिसॉर्ट्स में आयोजित अपने चौथे राष्ट्रीय टूर्नामेंट आईजीयू महाराष्ट्र महिला एवं जूनियर गर्ल्स गोल्फ चैम्पियनशिप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विजय हासिल की है। ओजस्विनी ने 73, 69 और 75 के राउंड के साथ दो स्ट्रोक से राष्ट्रीय खिताब जीत लिया, यह इस वर्ष में उनकी तीसरी जीत है।

टूर्नामेंट के पहले दिन दो स्ट्रोक से पीछे रहने के बावजूद, ओजस्विनी ने असाधारण कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए एक स्ट्रोक की बढ़त बनाई। अंतिम दिन, उन्होंने विवादास्पद दो-स्ट्रोक पेनल्टी का सामना करने के बावजूद खिताब अपने नाम कर लिया। ओजस्विनी ने अपनी इस जीत के लिए अपने कोच, श्री लॉरेंस ब्रदरिज और अपने परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। पिछले महीने, उन्होंने डेंगू से ठीक होने के बाद अपने तीसरे राष्ट्रीय ट्वेंटर में दूसरा स्थान प्राप्त किया था। गौरतलब है कि इस वर्ष खेले गए चार राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में से उन्होंने तीन खिताब जीते हैं। उल्लेखनीय



है कि वे जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब में अपने कौशल को निखारने के लिए कड़ी मेहनत से प्रशिक्षण लेती हैं और नियमित अभ्यास करती हैं।

सातवीं सीनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न जयपुर बना पुरुष वर्ग में विजेता, महिला वर्ग में प्राप्त किया तृतीय स्थान

जयपुर, 07 नवंबर। राजस्थान राज्य बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव शीकत अली मंसूरी के अनुसार जयपुर जिला बॉल बैडमिंटन संघ द्वारा 05 से 07 नवम्बर तक आयोजित आयोजित तीन दिवसीय सातवीं सीनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन आज जयपुर के चौगान स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता में 32 जिलों की महिला एवं पुरुष की लगभग 60 टीमों ने भाग लिया।

आज महिला वर्ग का फाइनल मैच बीकानेर एवं चूरू के बीच खेला गया। बीकानेर ने तीन सेटों के कड़े संघर्ष में चूरू को हराकर लगाकर तीसरे वर्ष खिताब पर कब्जा किया। महिला वर्ग में तृतीय स्थान जयपुर की टीम ने प्राप्त किया !

वही पुरुष वर्ग का फाइनल मैच जयपुर एवं बीकानेर के बीच खेला गया। जयपुर ने बीकानेर को सीधे सेटों में हराकर पुनः



खिताब पर कब्जा किया। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरुष वर्ग में जयपुर टीम के कप्तान ताहिर खान एवं महिला वर्ग में बीकानेर की राज नंदिनी रही। इनामियां खिलाड़ी का पुरस्कार चूरू की विभा एवं बीकानेर के अजय रहे।

आयोजन सचिव लक्ष्मीकांत शर्मा के अनुसार प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथियों, संघ के अध्यक्ष डॉक्टर राजपाल शर्मा, चंद्र मनोहर बटवाड़ा, राघवेंद्र सिंह, विजयेंद्र सोनी ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

// अंडर-15 एवं अंडर-17 नेशनल रैंकिंग बैडमिन्टन // अदविका और सुदीप की जोड़ी मुख्य ड्रॉ में

जयपुर, 07 नवम्बरा राजस्थान की अदविका शर्मा और सुदीप चाहर की जोड़ी ने गुलाबोनगर में चल रही अंडर-15 एवं अंडर-17 नेशनल रैंकिंग बैडमिन्टन प्रतियोगिता के तू में में हो गई। जोसेफ कप्तान से इतना गुस्सा हो गए थे कि वह बीच मैच में मैदान छोड़कर अदविका शर्मा और सुदीप चाहर ने तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में जीत हासिल की। क्यालिफ़ोर्निया राउण्ड के दूसरे दौर में अदविका और सुदीप की जोड़ी ने हरियाणा की जोड़ी आर्यन मक्कर और भावना चाहल को 15-13, 8-15, 16-14 से शिकस्त दी। राजस्थान के ही मनन शर्मा और लक्षिता भारद्वाज ने हरियाणा की एक अन्य मुकाबले में गुरतेज सिंह वसीर और काव्या स्वामी की दूसरी बरिदात प्राप्त जोड़ी ने यश देमबरे और मानस्वी चौहान को 15-8, 15-12 से शिकस्त देकर मुख्य ड्रॉ में खेलने की योग्यता हासिल कर ली।



राजस्थान के हर्ष कन्डपाल ने अंडर-15 आयु वर्ग के एकल में उत्तर प्रदेश के आदित्य सिंह को 10-15, 15-4, 15-12 से, अंडर-17 आयु वर्ग की लड़कियों के वर्ग में शैरिल चौधरी ने हरियाणा की छवि यादव को 11-15, 15-9, 15-7 से, देशना जैन ने कर्नाटक की रूठी को 20-18, 15-12 से शिकस्त दी। अंडर-15 आयु वर्ग के लड़कों के वर्ग में वयम लाब्बा ने महाराष्ट्र के सोहम ताम्बे को 15-11, 15-10 से हराया। अंडर-17 लड़कियों के आयु वर्ग में नेहल सिरोदिया ने श्रुति को 15-5, 15-9 से, जोशिक प्रजापति ने कर्नाटक की योगेशा को 15-10, 15-8 से परास्त किया। अंडर-15 आयु वर्ग के लड़कों

के मुकाबले में हर्ष स्वामी ने दिल्ली के अयान चावला को 15-5, 15-3 से, मानस परवाल ने तेलंगाना के विनय को 15-7, 15-13 से तथा लड़कियों अंडर-17 आयु वर्ग में प्रियांशी सैनी ने आन्ध्र प्रदेश की गगना श्रीचौधरी को 16-14, 18-20, 18-16 से पराजित कर अगले चक्र में प्रवेश किया। अन्डर-15 आयु वर्ग के लड़को के तीसरे दौर में दिव्यांश तोमर नेकेलव्या शुद को 15-11, 15-7 से, अंडर-17 लड़कियों के मुकाबले में अन्वी राठीडू ने उत्तराखण्ड की रिता को 15-7, 15-3 से, अंडर-15 लड़को के वर्ग में रुद्राक्ष मिश्रा ने अंडर-17 आयु वर्ग की 15-12, 9-15, 15-12 से, अंडर-17 लड़कों के वर्ग में वेदान्त जोशी ने महाराष्ट्र के तनय जोशी ने 15-8, 9-15, 16-14 से, संयम कोठारी ने जयकुष्णा को 15-13, 15-7 से पराजित किया। अन्य मुकाबलों में रुद्राक्ष कामनिया ने चंडीगढ़ के वैभव गिरी को 15-10, 15-13 से, नेहिल लड़कियों के आयु वर्ग में नेहल सिरोदिया को 15-17, 15-7, 15-13 से, यश सोनी ने हरियाणा के युग दाहिया को 15-13, 15-8 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र का चुनावी दौरा किया

आतंकी समर्थकों के मंसूबे से महाराष्ट्र को बचाना जरूरी-भजनलाल शर्मा



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाराष्ट्र के सोलापुर में चुनाव प्रचार के दौरान राजस्थानी समाज के सम्मेलन में भाग लिया और प्रवासी राजस्थानियों से भाजपा को जिताने की अपील की।

सोलापुर, 7 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के तहत सोलापुर उत्तर से भाजपा प्रत्याशी विजय कुमार देशमुख के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने सोलापुर में राजस्थानी समाज सम्मेलन में बड़ी संख्या में आये प्रवासी राजस्थानियों से भाजपा प्रत्याशी को समर्थन व वोट देकर विधानसभा चुनाव में विजयी बनाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के

बाद आये परिवर्तन को सभी ने देखा है। गरीब कल्याण की योजनाएं, सीमाओं की सुरक्षा, आतंकवाद और नक्सलवाद का खाल्ता और दुनिया में बढ़ता हुआ भारत का गौरव इसका प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी कर्मभूमि से जन्मभूमि तक जुड़े रहते हैं। देश व विदेश में अपनी कड़ी मेहनत से मारवाड़ियों ने विशेष स्थान बनाया है। मारवाड़ी देश की संस्कृति, विचार और निर्माण से जुड़ा हुआ है। राष्ट्र निर्माण में मारवाड़ियों का अहम योगदान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने

हमेशा जाति और पंथ के नाम पर वोट मांगा है। हमेशा विभाजन करने का काम किया है। ये लोग बालासाहब की विरासत का उपहास करने वाले हैं। महाविनाश टगबंधन शिवाजी महाराज की इस पवित्र धरा के निवासियों का प्रतिनिधि बनने लायक नहीं है।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि महाविनाश टगबंधन के लोग राष्ट्र हित के सभी मुद्दों का विरोध करते हैं। इन्होंने धारा 370 एवं सी.ए.ए. का विरोध किया और बुलाने पर भी राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा सम्मेलन में नहीं आए। आतंकी समर्थकों

मुख्यमंत्री ने सोलापुर में राजस्थानी समाज सम्मेलन में बड़ी संख्या में भाग ले रहे प्रवासी राजस्थानियों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा, प्रवासी राजस्थानी कर्मभूमि से जन्मभूमि तक जुड़े रहते हैं। राष्ट्र निर्माण में मारवाड़ियों का अहम योगदान है।

के इन खतरनाक मंसूबों से महाराष्ट्र को बचाना जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में हमारी सरकार बने 10 महीने से ज्यादा का समय हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में डबल इंजन की सरकार ने पानी की समस्या को दूर करने के लिए ई.आर.सी.पी. और यमुना जल समझौता किया है। बिजली के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व काम हुआ है। प्रदेश में कनेक्टिविटी बेहतर बनाने के लिए 9 ग्रीनफील्ड हाइवे बनाने का काम हमारी सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि कृष्ण गमनपथ बनाया जा रहा है, खादूरधाम मंदिर के लिए 100 करोड़ रुपये दिये गए हैं। सम्मेलन में वरिष्ठ नेता किशोर देशपाण्डे, बाबू भाई मेहता, श्रीनिवास दायमा, चन्द्रकांत तापड़िया सहित बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी व भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

पहली अमृत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) इस ट्रेन में 18 से 22 कोच होंगे। ये सभी कोच गैर-वातानुकूलित तथा जनरल क्लास के होंगे। इस ट्रेन की अधिकतम गति 130 किमी. प्रति घंटा होगी तथा इसमें सी. सी. टी. वी. कैमरा तथा "टांक बैक" जैसी उन्नत टेक्नॉलॉजी होंगी। "टांक बैक" तकनीक के फलस्वरूप, यात्री लोको पायलट तथा ट्रेन मैनेजर से सीधे बात कर सकेंगे। प्रत्येक कोच में वैक्यूम बायो टॉयलेट तथा अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

डैमोक्रेटिक पार्टी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) मीडिया के प्रति अविश्वास को और बढ़ाना था और अधिकांश मतदाता पहले से ही मुख्यधारा के मीडिया को संदेह की नजर से देखते हैं। इन संस्थानों को अपने प्रति पक्षपाती बता कर उन्होंने एक अपने समर्थकों मीडिया पर संदेह करने के लिए तथा खुद (ट्रम्प) को "सच बोलने वाले नेता" के रूप में देखने को प्रोत्साहित किया, अब भले ही वह सच तथ्यों पर खरा ना हो।

कुछ क्षेत्रों में तो डैमोक्रेटिक पार्टी का प्रचार करने वालों की आलोचना की गई कि वे अपराध, सीमा सुरक्षा व इमिग्रेशन पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। ट्रम्प ने लगातार ये मुद्दे उठाए और अपराध पर कड़ी कार्यवाही करने की बात कही। आर्थिक समानता को बेहतर बनाने वाली नीतियों को प्रोत्साहन देने के बाद भी डैमोक्रेटिक पार्टी को यह समझाने में भारी मशकत करनी पड़ी कि इन नीतियों से मतदाता के जीवन स्तर में किस प्रकार सुधार आएगा।

ट्रम्प का आर्थिक नीति पर मैसेज रोजगार में वृद्धि और टैक्स में कटौती का था जिसका मतदाता पर तुरंत असर हुआ, भले ही इसके नतीजे जटिल क्यों ना हों।

राजस्थान की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) जिला स्तरीय पर्यावरण प्राधिकरण से पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त खनन लाइसेंस धारकों को 7 नवंबर तक राज्य पर्यावरणीय प्राधिकरण से भी पर्यावरणीय मंजूरी के पुनः मूल्यांकन की आवश्यकता बताई गई है।

अपील में कहा कि राज्य सरकार को एम.ओ.ई.एफ. की ओर से दिए गए पुनः परीक्षण के विस्तार व निर्देशों की पालना के लिए 12 महीने के समय की जरूरत है। ऐसे में राज्य की खानों के तत्काल बंद होने से केवल प्रदेश की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, बल्कि लाखों लोगों की नौकरियां भी प्रभावित होंगी। खानें बंद होने से न प्रदेश में निर्माण गतिविधियां रुकेंगी और निर्माण सामग्री की कीमतों में भी बढ़ोतरी होगी। इसलिए एनजीटी के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाई जाए।

राहुल गाँधी के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) कहा कि भाजपा अपने गढ़ के पास नागपुर में राहुल के कार्यक्रम से घबरा गई है। घबराहट में फंडनवीस राहुल गाँधी को बदनाम करने के लिए गलत आरोप लगा रहे हैं। हिंदू धर्म में लाल रंग को शुभ माना जाता है, फिर भी भाजपा को यह अपवित्र लगता है। जो लोग संविधान का विरोध करते हैं उन्हें यह निर्णय लेने का कोई अधिकार नहीं है कि, संविधान की प्रति लाल होनी चाहिए या पीली या काली। क्या भाजपा और फंडनवीस, संविधान की रक्षा की तुलना शहरी नक्सलवाद में करते हैं।

आर्टिकल 370 पर विधानसभा में विधायकों के बीच मारपीट

शेख खुर्शीद द्वारा आर्टिकल 370 का बैनर दिखाने से भाजपा विधायक भड़के

श्रीनगर, 07 नवंबर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सदन की कार्यवाही के दौरान गुरवार को भी आर्टिकल 370 को लेकर जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान विधायकों के बीच मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान पोस्टर भी फाड़े गए। भारी बवाल के बाद विधानसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित हो गई है।

बताया जा रहा है कि विधायक इंजीनियर राशिद के भाई खुर्शीद अहमद शेख ने सदन में आर्टिकल 370 का बैनर दिखाया, जिसमें इसकी बहाली की मांग की गई थी। बैनर दिखाए जाने का विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने विरोध किया। इस पोस्टर को देखकर बीजेपी

■ भाजपा नेता रविन्द्र रैना ने कहा कि कांग्रेस, नेशनल काँग्रेस सरकार देशद्रोही एजेण्डे पर काम कर रही है। चोरी छिपे विवादास्पद प्रस्ताव पेश कर, बिना चर्चा पास कराना इस एजेण्डे का भाग है।

के विधायक भड़क गए। उन्होंने उनके हाथ से बैनर छीन लिया। इसके बाद पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। बीजेपी विधायकों ने शेख खुर्शीद के हाथ से बैनर लेकर फाड़ दिया।

बीजेपी नेता रविन्द्र रैना ने कहा, कांग्रेस पार्टी और नेशनल काँग्रेस मिलकर जम्मू कश्मीर में सरकार बनाई है, सरकार बनाने ही उन्होंने देशद्रोही एजेण्डे पर काम करना शुरू

किया है। दोनों पार्टियों ने जिस प्रकार विवादास्पद प्रस्ताव को चोरी-छिपे विधानसभा में पेश किया और तुरंत बिना किसी चर्चा के पास करके विधानसभा की कार्यवाही समाप्त कर दी। ये दिखाता है कि कांग्रेस और नेशनल काँग्रेस की सरकार जम्मू-कश्मीर के अंदर पाकिस्तान के एजेण्डे को आगे बढ़ाने की साजिश कर रही है। भाजपा किसी सूरत में देशद्रोही एजेण्डे को लागू नहीं होने देगी।

सुप्रीम कोर्ट ने जेट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब अमीरात स्थित उद्यमी मुरारी लाल जालान के एक संघ को हस्तांतरित करने की मंजूरी दी थी। इसके अलावा चीफ जस्टिस डी.वाय. चंद्रचूड़, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और मनोज मिश्रा ने नेशनल कम्पनी लॉ ट्रिब्यूनल को निर्देश दिया है कि लिक्विडेटर की नियुक्ति के लिए कदम उठाए जाएं।

सर्वोच्च न्यायालय ने उन अपीलों, जिनमें से एक अपील ऋणदाताओं की भी थी, पर अपना निर्णय सुना दिया, जो "नेशनल कम्पनी लॉ अपीलेंट ट्रिब्यूनल" के उस आदेश के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें जे.के.सी. द्वारा जेट एयरवेज के अधिग्रहण का अनुमोदन कर दिया गया था।

इसके अलावा, मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला तथा मनोज मिश्रा की बैंच ने नेशनल कम्पनी लॉ ट्रिब्यूनल (एन.सी.एल.

टी.) मुम्बई को निर्देश दिये कि वह लिक्विडेटर की नियुक्ति की दिशा में कदम उठाए। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व में ऋणदाताओं ने दलील दी है कि कंसोशियम एयरलाइन के अधिग्रहण की शर्त पूरा करने में असफल रहा है तथा वह अब एयरलाइन को फिर से शुरू करने की स्थिति में नहीं है।

न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कहा कि इस एयरलाइन को धरने वाला यह मुकदमा "आँखें खोल देने वाला" है तथा इसमें भारत के "इन्सॉल्वेंसी एंड बैंक्रेप्सी कोड (आई.बी.सी.) के लिये बहुत से सबक निहित हैं।

शीर्ष अदालत को यह निर्णय लेना था कि वह जेट एयरवेज के अधिग्रहण का अनुमोदन करे तथा इसे भारत में किसी एयरलाइन के बैंक्रेप्सी रिसॉल्यूशन की अब तक की पहली सफल पूर्णता मान ले या फिर एयरलाइन को लिक्विडेट करे, जैसी कि ऋणदाताओं ने प्रार्थना की है।

सी.एम. का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रकरण में न्यायालय को आवश्यकता होने पर वे उपस्थित होते रहेंगे। आरोपी की ओर से अनुपस्थिति की परिस्थिति में हाजिरी माफी पेश की जा सकती है। वर्तमान में ऐसी कोई परिस्थिति नहीं है कि वे अदालत में हाजिर होने में असमर्थ हों। अदालत की ओर से तलब करने पर ही उन्हें उपस्थित होना है और जरूरत पड़ने पर उनके अधिवक्ता हाजिरी माफी पेश कर सकते हैं। ऐसे में उनकी ओर से पेश स्थाई हाजिरी माफी का प्रार्थना पत्र खारिज किया जाता है। प्रार्थना पत्र में भजनलाल शर्मा की ओर से कहा गया कि मामले में वर्ष 2013 में पेश आरोप पत्र में उनके खिलाफ आई.पी.सी. की धारा 353 सपडित धारा 34 का ही आरोप है। मामला करीब 11 साल से लंबित है। प्रार्थी वर्तमान में प्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर हैं और उसे अक्सर राजकार्य के चलते जयपुर से बाहर और विदेश भी जाना होता है। ऐसे में उसका प्रार्थना पत्र स्वीकार कर स्थाई हाजिरी माफी प्रदान की जाए, जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है।

सलमान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) दिया। एडवोकेट उद्यम मुखर्जी और स्वपिनल पटनायक ने याचिकाकर्ता की तरफ से तथा वरिष्ठ स्टैंडिंग काउंसल अनुराग ओझा ने एडवोकेट शुभम कुमार केन्द्र सरकार के स्टैंडिंग काउंसल रवि प्रकाश और एडवोकेट ताहा यासीन एवं यशार्थ के साथ मिलकर सरकार का पक्ष रखा।

'फंडनवीस को सोच समझ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) चाहिए कि इसमें भारत के सबसे प्रतिष्ठित कानूनविदों में से एक के.के. वेणुगोपाल द्वारा लिखी गई प्रस्तावना है। के.के. वेणुगोपाल 2017-2022 के दौरान भारत के अर्टोनी जनरल थे। इससे पहले नॉन बायोलाॅजिकल प्रधानमंत्री और स्वरोषित चाणक्य को भी यह लाल किताब दी गई थी। उन्होंने कहा, जहां तक शहरी नक्सल का सवाल है केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने 9 फरवरी 2022 और 11 मार्च 2020 को संसद में बताया था कि भारत सरकार इस शब्द का इस्तेमाल नहीं करती है। गृह मंत्रालय के मुखिया कोई और नहीं अभित शाह हैं। फंडनवीस का सोच समझ कर बोलना चाहिए।



सरकार राजस्थान
Government of Rajasthan



RISING™
RAJASTHAN

माइंस एवं पेट्रोलीयम इन्वेस्टर्स प्री समिट

दिनांक : 8 नवंबर 2024

मुख्य अतिथि : माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा

कार्यक्रम स्थल: द ललित, जयपुर

MINERAL WEALTH AS THE PRIME MOVER OF RAJASTHAN'S ECONOMY





